वर्ष : 34 | अंक : 292 | मुंबई, सोमवार, 29 दिसंबर 2025 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल | संरक्षक : एन. के. पुरोहित

DBD
दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

‘राहुल गांधी को समझाना मेरी क्षमता में नहीं’
अमित शाह ने तंज कसते हुए कहा कि राहुल गांधी को समझाने की उनकी क्षमता नहीं है। उन्होंने कहा, “जिन्हें उनकी खुद की पार्टी नहीं समझा सकी, उन्हें विरोधी कैसे समझा पाएंगे।”

205 लोगों को सौंपे भूमि अधिकार प्रमाण पत्र
नवा वणझर गांव में आयोजित कार्यक्रम के दौरान अमित शाह ने 205 लोगों को जमीन के मालिकाना हक के प्रमाण पत्र सौंपे। ये लोग 1973 की भीषण बाढ़ के बाद साबरमती नदी के किनारे स्थित वणझर गांव से विस्थापित होकर यहां बसाए गए थे। शाह ने कहा कि कांग्रेस सरकारों के दौरान दशकों तक इन लोगों को अधिकार नहीं मिले, लेकिन मोदी सरकार ने उनकी समस्या का समाधान किया।

‘वेस्टर्न ट्रंक लाइन’ परियोजना का उद्घाटन
कार्यक्रम में गृह मंत्री ने ‘वेस्टर्न ट्रंक लाइन’ ड्रेनेज परियोजना का भी उद्घाटन किया। इस परियोजना से शेला, साउथ बोपाल, शांतिपुरा और थलतेज जैसे इलाकों में रहने वाले करीब 15 लाख लोगों को सीवेज और जलभराव की समस्या से राहत मिलेगी।

IMA नेटकॉन 2025 में हिस्सा लिया
केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को अहमदाबाद में नेशनल कॉन्फ्रेंस- IMA नेटकॉन 2025 में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा, कि इस 11 साल में एक समग्र दृष्टिकोण के साथ एक बहुत बड़ी हेल्थ इकोसिस्टम बनाने का प्रयास किया गया है। हमने सबसे पहले स्वच्छता मिशन लेकर आए और हर घर में शौचालय बनाने का अभियान चलाया। अगर शहर, गांव, कस्बे स्वच्छ हो जाते हैं और घर के आस-पास की चीजे.स्वच्छ हो जाएगी तो कई सारी बीमारी पैदा होने से ही रुक जाती है।

अमित शाह का राहुल गांधी पर तंज

अभी थकिए मत और हार बाकी है

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

गांधीनगर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर तीखा तंज कसते हुए कहा कि उन्हें हार से अभी थकना नहीं चाहिए, क्योंकि आगे पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में भी कांग्रेस की हार तय है। अहमदाबाद में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शाह ने दावा किया कि वर्ष 2029 में एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनेगी।

330 करोड़ के विकास कार्यों के लोकार्पण पर बयान
अमित शाह अहमदाबाद नगर निगम के 330 करोड़ रुपये के विकास कार्यों के लोकार्पण कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा, “राहुल बाबा अभी हार से थकिए मत। बंगाल और तमिलनाडु में भी हारना है, यह तय मान लीजिए।” शाह ने कहा कि भाजपा की जीत का आधार उसके सिद्धांत और जनता से जुड़ी विकास की राजनीति है।

‘कांग्रेस ने हर बड़े फैसले का किया विरोध’
गृह मंत्री ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने भाजपा सरकार के हर अहम फैसले का विरोध किया। उन्होंने कहा कि राम मंदिर निर्माण, पाकिस्तान के खिलाफ सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक, धारा 370 हटाना, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, तीन तलाक समाप्त करना और यूनिफॉर्म सिविल कोड जैसे मुद्दों पर कांग्रेस लगातार विरोध करती रही है।

‘SIR समझने में उलझे हैं राहुल गांधी’
अंत में अमित शाह ने राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वे देश के विकास मॉडल को समझने के बजाय अब भी स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) जैसी चीजों को समझने में लगे हैं, जो उनके बस की बात नहीं है। उन्होंने कहा कि यही भाजपा की विकास-केंद्रित राजनीति और कांग्रेस की विरोध आधारित राजनीति के बीच बुनियादी फर्क है।

मुंबई हर हाल में जीतनी है : उद्धव ठाकरे

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) सहित राज्य की 29 महानगरपालिकाओं के आगामी चुनावों को लेकर शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के पक्षप्रमुख उद्धव ठाकरे ने पार्टी पदाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि चाहे परिस्थिति कैसी भी हो, इस बार मुंबई का चुनाव जीतना ही पार्टी का लक्ष्य होना चाहिए। ठाकरे ने दो टूक कहा कि उम्मीदवारी मिले या न मिले, हर शिवसैनिक का एकमात्र उद्देश्य भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को हराना होना चाहिए।

चुनावी तैयारियों के बीच शिवसेना भवन में बैठक
रविवार को शिवसेना भवन में आयोजित बैठक में उद्धव ठाकरे ने पदाधिकारियों के साथ चुनावी रणनीति पर चर्चा की। इस दौरान महाविकास आघाड़ी सरकार के कार्यकाल में कोविड काल के दौरान की गई जनसेवा पर आधारित एक पुस्तिका का विमोचन भी किया गया। इसके बाद अपने संबोधन में ठाकरे ने भाजपा पर तीखा हमला बोला।

‘मराठियों को पराक्रम सिखाने की जरूरत नहीं’
उद्धव ठाकरे ने कहा कि जब भाजपा को कोई नहीं जानता था, तब शिवसेना ने उन्हें गांव-गांव तक पहुंचाया। उन्होंने आरोप लगाया कि जिनका हाथ पकड़कर आगे बढ़ाया गया, वही आज शिवसेना पर वार कर रहे हैं। ठाकरे ने कहा कि मुंबई पर वर्षों से शिवसेना का शासन रहा है और लंबी राजनीतिक लड़ाई के बावजूद कोई भी मुंबई को उनसे छीन नहीं सका है और न ही आगे छीन सकेगा। भाजपा नेताओं पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि मराठियों को पराक्रम सिखाने की जरूरत नहीं है।

राज ठाकरे के साथ गठबंधन को बताया ऐतिहासिक
ठाकरे ने अपने भाई और मनसे प्रमुख राज ठाकरे के साथ हुए गठबंधन को ऐतिहासिक करार दिया। उन्होंने कहा कि 20 साल पुराने राजनीतिक मतभेदों को भुलाकर यह फैसला महाराष्ट्र और मराठी मानूस के हित में लिया गया है। उन्होंने पदाधिकारियों से अपील की कि गठबंधन में त्याग जरूरी होता है और कुछ सीटें सहयोगियों के लिए छोड़नी पड़ती हैं।

‘टिकट की जिद छोड़, महाराष्ट्र की रक्षा की लड़ाई लड़ें’
उद्धव ठाकरे ने साफ कहा कि व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं को पीछे रखकर पार्टी हित में काम करना होगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि नेता और कार्यकर्ता ‘मुझे ही टिकट चाहिए’ की सोच में उलझे रहे, तो इसका फायदा विरोधी उठा लेंगे।

केंद्र सरकार पर परोक्ष हमला
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह का नाम लिए बिना उद्धव ठाकरे ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि शहीदों की शहादत से मिली मुंबई को कुछ लोग निगलने की कोशिश कर रहे हैं और भाजपा पर शिवसेना को खत्म करने की साजिश रचने का आरोप लगाया।

वरिष्ठ नेताओं की रही मौजूदगी
इस बैठक में सांसद अरविंद सावंत, अनिल देसाई, अनिल परब, मिलिंद नार्वेकर और पूर्व महापौर किशोरी पेडणेकर सहित कई वरिष्ठ नेता और पार्टी पदाधिकारी मौजूद रहे।

दिल्ली में हाईटेक प्रदूषण नियंत्रण

IIT कानपुर के साथ AI आधारित सिस्टम पर विचार

एजेंसी | नई दिल्ली

दिल्ली सरकार प्रदूषण पर कड़ा शिकंजा कसने के लिए वैज्ञानिक और तकनीकी उपायों पर काम कर रही है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में सरकार ने इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (IIT) कानपुर के साथ सहयोग की संभावना तलाशना शुरू किया है, ताकि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) आधारित एयर क्वालिटी इंटेलिजेंस सिस्टम तैयार किया जा सके।

डेटा-आधारित निर्णय और वास्तविक समय मॉनिटरिंग
पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने बताया कि सभी प्रदूषण नियंत्रण निर्णय अब डेटा और वास्तविक समय मॉनिटरिंग पर आधारित होंगे। प्रदूषण स्रोतों की सटीक पहचान और मापनीय परिणामों के आधार पर कार्रवाई होगी। प्रस्तावित मॉडल में बहु-एजेंसी समन्वय पर भी जोर होगा, ताकि नगर निगम, जिला प्रशासन और तकनीकी संस्थान साझा डेटा प्लेटफॉर्म पर काम कर सकें।

4 मोर्चों पर सरकार की कार्रवाई
दिल्ली सरकार फिलहाल चार प्रमुख मोर्चों पर सख्त कार्रवाई कर रही है :व्हीकुलर एमिशन: प्रदूषण संबंधी चालान 7,023 जारी। धूल नियंत्रण: मैकेनिकल स्वीपिंग 6,291 किमी, पानी का छिड़काव 1,694 किमी, एंटी-स्मॉग गन्स 405 और हटाया गया कचरा 12,012 मीट्रिक टन। प्रदूषण फैलाने वाले उद्योग: सर्वे और सीलिंग कार्यवाही।

नागरिक शिकायतें और ट्रैफिक प्रबंधन
मोबाइल ऐप और सोशल मीडिया के माध्यम से प्राप्त और निस्तारित शिकायतें: 58, ईस्टर्न और वेस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे से डायवर्ट किए गए गैर-गंतव्य ट्रक: 65, जाम मुक्त किए गए ट्रैफिक बिंदु: 41, सरकार का लक्ष्य दिल्ली को फायरफाइटिंग से निकालकर वास्तविक रोकथाम की दिशा में ले जाना है और हर निर्णय को वैज्ञानिक, रणनीतिक और डेटा-आधारित बनाना है।

ब्रीफ न्यूज़

‘मन की बात’ समाज के हर वर्ग के लिए प्रेरणा स्रोत : नितिन नवीन
नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन ने रविवार को पार्टी कार्यकर्ताओं से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम ‘मन की बात’ में साझा किए गए विचारों और मंत्रों को अपने जीवन और कार्य में अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने इसे समाज के हर वर्ग के लिए प्रेरणा का स्रोत बताते हुए कहा कि कार्यक्रम केवल सुनना ही पर्याप्त नहीं, बल्कि इसे व्यवहार में उतारना भी महत्वपूर्ण है।

‘टाइगर स्टेट’ में बाघों को खतरा
जबलपुर। मध्य प्रदेश में बाघों की लगातार मौत ने वन्यजीव संरक्षण पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सागर जिले के ढाना रेंज के हिलगन गांव के पास जंगल में एक बाघ मृत अवस्था में मिला। ग्रामीणों की नजर पड़ते ही इलाके में हड़कंप मच गया और वन विभाग की टीम तुरंत जांच के लिए मौके पर पहुंची। दक्षिण वन मंडल की एसडीओ कविता जाटव ने बताया कि बाघ के शरीर पर फिलहाल कोई बाहरी चोट के निशान नहीं मिले हैं और इसकी मौत के कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही लगेगा। दक्षिण वन मंडल की टीम ने शव का प्रारंभिक परीक्षण किया। एसडीओ कविता जाटव ने कहा कि बाघ ढाना रेंज की हिलगन बीट के जंगल में मिला है।

टीम इंडिया ने आसानी से जीता चौथा T20, श्रीलंका को फिर दी करारी शिकस्त

एजेंसी | तिरुवनंतपुरम

टीम इंडिया ने टी20 सीरीज में श्रीलंका के खिलाफ क्लीन स्वीप की दिशा में बड़ा कदम बढ़ा दिया है। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली टीम इंडिया ने चौथे T20 में विस्फोटक बल्लेबाजी की मदद से श्रीलंका को 30 रन से हराया। इससे 5 मैचों की सीरीज में भारत की बढ़त 4-0 हो गई और अब सिर्फ एक जीत दूर है सीरीज पर कब्जा करने से। चौथे मैच में स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा और ऋचा घोष ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया। भारत ने पहले बैटिंग करते हुए 221 रन का रिकॉर्ड स्कोर बनाया, जिसका जवाब देते हुए श्रीलंका सिर्फ 191 रन पर ढेर हो गई।

मंधाना और शेफाली की जबरदस्त साझेदारी
स्मृति मंधाना ने 80 रन और शेफाली वर्मा ने लगातार तीसरे मैच में 79 रन बनाए। दोनों ने पहले विकेट के लिए 15.2 ओवर में 162 रन की शानदार साझेदारी की, जिसने बड़े स्कोर की नींव रखी। तीसरे नंबर पर प्रमोट हुई ऋचा घोष ने सिर्फ 16 गेंदों में 40 रन बनाकर टीम को रिकॉर्ड स्कोर तक पहुंचाया। इस प्रदर्शन ने टीम इंडिया को श्रीलंका पर एक और बड़ी जीत दिलाने में मदद की।

बांग्लादेश चुनाव : 10 पार्टियों का गठबंधन BNP के खिलाफ

एजेंसी | ढाका

बांग्लादेश में नेशनल सिटिजन्स पार्टी (NCP) ने जमात-ए-इस्लामी और आठ अन्य पार्टियों के साथ चुनावी गठबंधन कर लिया है। इसमें कर्नल (सेवानिवृत्त) ओली अहमद की लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (LDP) भी शामिल हुई। जमात के नेता शफीकुर रहमान ने ढाका में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसकी घोषणा की। यह गठबंधन बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (BNP) के लिए चुनौती साबित हो सकता है। गठबंधन की घोषणा से पहले NCP के कई नेताओं ने जमात के साथ गठबंधन को लेकर विरोध जताया। 30 नेताओं ने पत्र लिखकर नाराजगी जाहिर की और दो वरिष्ठ महिला नेताओं ने इस्तीफा दे दिया। उनका कहना था कि यह गठबंधन NCP की विचारधारा, लोकतांत्रिक मूल्यों और 1971 के मुक्ति संग्राम की भावना के खिलाफ है।

सीटों का बंटवारा और चुनावी रणनीति
जमात के नेता शफीकुर रहमान ने कहा कि सभी पार्टियों के बीच निष्पक्ष तरीके से सीटों का बंटवारा होगा और किसी को विशेषाधिकार नहीं मिलेगा। उन्होंने इसे केवल चुनावी गठबंधन नहीं, बल्कि “राष्ट्र निर्माण का गठबंधन” बताया। भविष्य में राष्ट्रीय मुद्दों पर भी ये पार्टियां मिलकर काम करेंगी।

NCP के लिए चुनौती
NCP ने दावा किया है कि वह बांग्लादेश को भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद और दो बड़ी पार्टियों के कब्जे वाली राजनीति से बाहर निकालेगी। हालांकि, पार्टी की मजबूरी और कमजोर संगठन के कारण इसे वोटों में बदलने के लिए कठिन मेहनत करनी पड़ रही है। 27 वर्षीय नाहिद इस्लाम, जो पिछले साल सरकार-विरोधी प्रदर्शनों का बड़ा चेहरा थे, के नेतृत्व में पार्टी को सीमित संसाधनों के साथ चुनाव लड़ना है।

ट्रंप का बड़ा दावा | **अमेरिका ही अब असली संयुक्त राष्ट्र**

भारत-पाक समेत 8 संघर्ष सुलझाने का श्रेय

एजेंसी | वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र (UN) की भूमिका पर सवाल उठाते हुए दावा किया है कि अमेरिका अब “असल संयुक्त राष्ट्र” की तरह काम कर रहा है। ट्रंप ने कहा कि वैश्विक स्तर पर चल रहे कई युद्धों और संघर्षों को सुलझाने में संयुक्त राष्ट्र की भूमिका सीमित रही है, जबकि अमेरिका ने निर्णायक हस्तक्षेप कर शांति स्थापित की है।

थाईलैंड-कंबोडिया सीजफायर का श्रेय अमेरिका को
आईएनएस माहे को कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड ने तैयार किया है। यह माहे श्रेणी के आठ पोतों में पहला है। पोत का निर्माण पूरी तरह स्वदेशी तकनीक पर आधारित है और इसमें 80 प्रतिशत से अधिक भारतीय सामग्री का उपयोग हुआ है। साइलेंट किलर इस युद्धपोत का नामकरण मालाबार तट स्थित ऐतिहासिक तटीय शहर माहे के नाम पर किया गया है।

UN पर तीखा हमला
संयुक्त राष्ट्र की कार्यशैली पर निशाना साधते हुए ट्रंप ने कहा कि कई वैश्विक संघर्षों में UN प्रभावी भूमिका निभाने में विफल रहा है। उन्होंने दावा किया कि अपने दूसरे कार्यकाल के पहले 11 महीनों में उन्होंने 8 बड़े युद्धों और संघर्षों को रोकने या सुलझाने में मदद की है।

दिल्ली की हवा फिर गंभीर, AQI 500 पार, घने कोहरे पर ‘ऑरेंज अलर्ट’ जारी

एजेंसी | नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की वायु गुणवत्ता एक बार फिर बेहद खराब हो गई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) के अनुसार, दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स (AQI) 500 के पार पहुँच गया है। दिल्ली के 19 निगरानी केंद्रों में अधिकांश स्थानों पर वायु गुणवत्ता ‘गंभीर’ श्रेणी में दर्ज की गई, जिसमें आनंद विहार का AQI सबसे अधिक रिकॉर्ड किया गया। CPCB के अनुसार, AQI 0 से 50 ‘अच्छा’, 51 से 100 ‘संतोषजनक’, 101 से 200 ‘मध्यम’, 201 से 300 ‘खराब’, 301 से 400 ‘बेहद खराब’ और 401 से 500 के बीच ‘गंभीर’ श्रेणी में आता है।

घने कोहरे को लेकर ‘ऑरेंज अलर्ट’
भारतीय मौसम विभाग (IMD) ने सोमवार को दिल्ली में घने कोहरे को देखते हुए ‘ऑरेंज अलर्ट’ जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, राजधानी में अधिकतम तापमान लगभग 22 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान लगभग 7 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने बताया कि न्यूनतम तापमान 6.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो औसत से 0.5 डिग्री कम है, जबकि अधिकतम तापमान 22.5 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 2.1 डिग्री अधिक है। घने कोहरे और खराब वायु गुणवत्ता के चलते दृश्यता में कमी और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के लिए नागरिकों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

e-KYC कराकर बिना रुकावट उठाएं 'लाड़ली बहन' योजना का लाभ

अदिति तटकरे की अहम अपील

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुख्यमंत्री 'माझी लाडकी बहिन' योजना को महाराष्ट्र सरकार का महिला एवं बाल विकास विभाग लागू कर रहा है। इस योजना के तहत पात्र महिलाओं को हर महीने 1,500 रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। योजना का लाभ सही और योग्य लाभार्थियों तक पहुंचे, इसके लिए सरकार ने e-KYC प्रक्रिया अनिवार्य कर दी है।

नवंबर-दिसंबर की किस्त का इंतजार

राज्य में 'माझी लाडकी बहिन' योजना की लाभार्थी महिलाओं को अक्टूबर महीने की किस्त 3 और 4 नवंबर को दी गई थी। हालांकि, नवंबर की किस्त अभी तक जारी नहीं हो पाई है और दिसंबर का महीना भी समाप्ति की ओर है। ऐसे में महिलाएं एक ओर e-KYC प्रक्रिया पूरी कर रही हैं, वहीं दूसरी ओर नवंबर और दिसंबर की किस्त का इंतजार कर रही हैं।

31 दिसंबर तक e-KYC अनिवार्य

महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे ने सभी पात्र महिलाओं से 31 दिसंबर 2025 तक e-KYC प्रक्रिया पूरी करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि बिना e-KYC के योजना का लाभ आगे बाधित हो सकता है। वर्तमान में e-KYC की अंतिम तारीख में केवल कुछ दिन शेष हैं, ऐसे में लाभार्थियों को तुरंत प्रक्रिया पूरी करनी चाहिए। मंत्री अदिति तटकरे ने बताया कि पहले लाभार्थियों को 18 नवंबर तक e-KYC कराने के निर्देश दिए गए थे, जिसे बाद में बढ़ाकर 31 दिसंबर किया गया। इसके साथ ही जिन महिलाओं ने e-KYC के दौरान गलत विकल्प चुन लिया है, उन्हें सुधार करने का भी अवसर दिया गया है। e-KYC से जुड़ा करेक्शन भी 31 दिसंबर तक किया जा सकता है।

1.74 करोड़ महिलाओं ने पूरा किया e-KYC

महिला एवं बाल विकास मंत्री ने 10 दिसंबर को विधानसभा में जानकारी दी थी कि तब तक 1 करोड़ 74 लाख महिलाओं ने e-KYC प्रक्रिया पूरी कर ली थी। उल्लेखनीय है कि 'माझी लाडकी बहिन' योजना के तहत महिलाओं को हर महीने 1,500 रुपए दिए जाते हैं। वहीं, पीएम किसान सम्मान निधि योजना और नमो शेतकरी महासम्मान निधि योजना की लाभार्थी महिला किसानों को इस योजना के अंतर्गत 500 रुपए की अतिरिक्त सहायता भी दी जाती है।

मादक पदार्थ तस्करी गिरोह का भंडाफोड़

● बेंगलुरु में मेफेड्रोन बनाने वाली तीन फैक्ट्रियां ध्वस्त

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र के मादक पदार्थ रोधी कार्यबल (एएनटीएफ) ने एक बड़े अंतरराज्यीय मादक पदार्थ तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए बेंगलुरु में मेफेड्रोन (एमडी) बनाने वाली तीन अवैध फैक्ट्रियों को ध्वस्त कर दिया है। अधिकारियों के अनुसार, इस कार्रवाई में करीब 55.88 करोड़ रुपए मूल्य के मादक पदार्थ, रसायन और उत्पादन उपकरण जब्त किए गए हैं। राज्यव्यापी मादक पदार्थ विरोधी अभियान के तहत यह कार्रवाई पिछले सप्ताह पुणे-मुंबई राजमार्ग पर एक गिरफ्तारी से शुरू हुई। एएनटीएफ की कोंकण इकाई ने 21 दिसंबर को नवी मुंबई के वाशी गांव के पास अब्दुल कादिर रशीद शेख को गिरफ्तार किया था, जिसके पास से 1.48 करोड़ रुपए मूल्य की मेफेड्रोन बरामद हुई थी।

बेंगलुरु में तीनों फैक्ट्रियां ध्वस्त

गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर एनजी गोलाहल्ली, येरप्पनहल्ली और कन्नूर स्थित निर्माण इकाइयों पर छापेमारी की गई। इस दौरान ठोस और तरल रूप में कुल 21.4 किलोग्राम मेफेड्रोन जब्त की गई। इसके अलावा मादक पदार्थ निर्माण में इस्तेमाल होने वाले उपकरण और रसायन भी बरामद किए गए। पुलिस ने तीनों फैक्ट्रियों को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया है।

कई राज्यों में सप्लाई, रियल एस्टेट में निवेश

पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि इन इकाइयों में तैयार की गई मेफेड्रोन की आपूर्ति कई राज्यों में की जा रही थी। तस्करी से अर्जित धनराशि का निवेश बेंगलुरु के रियल एस्टेट क्षेत्र में किए जाने के भी संकेत मिले हैं। इस मामले में अब तक चार लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि दो मुख्य संदिग्धों की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। एएनटीएफ ने स्पष्ट किया है कि पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए जांच और कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

पूछताछ में सामने आई फैक्ट्रियों की जानकारी

पूछताछ के दौरान पुलिस बेलगाम निवासी प्रशांत यल्लप्पा पाटिल तक पहुंची, जो मादक पदार्थों के उत्पादन में शामिल पाया गया। जांच में खुलासा हुआ कि कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में मेफेड्रोन निर्माण के लिए तीन फैक्ट्रियां संचालित की जा रही थीं। इस जानकारी के आधार पर एएनटीएफ ने राजस्थान निवासी सूरज रमेश यादव और मलखान रामलाल बिश्नोई को गिरफ्तार किया, जो बेंगलुरु में अवैध मादक पदार्थ कारोबार से जुड़े हुए थे।

नवी मुंबई में 6 साल की बेटी की हत्या करने वाली मां गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

नवी मुंबई के कलंबोली में पुलिस ने अपनी छह साल की बेटी की हत्या करने वाली मां को गिरफ्तार कर लिया है। कलंबोली पुलिस स्टेशन की टीम बेटी की हत्या करने वाली मां से पूछताछ कर रही है। इस मामले की छानबीन कर रहे पुलिस अधिकारी ने रविवार को बताया कि गिरफ्तार की गई महिला के पास बैचलर ऑफ साइंस की डिग्री है और वह अपने पति, जो एक आईटी प्रोफेशनल थे, उनके साथ कलंबोली क्षेत्र में रहती थी । इस महिला ने 23 दिसंबर को अपनी बेटी को एक अस्पताल ले गई और डॉक्टरों को बताया कि स्वास्थ्य समस्याओं के कारण उनकी बच्ची अचानक बेहोश हो गई है। मेडिकल स्टाफ ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया और बाद में कलंबोली पुलिस स्टेशन की टीम को सूचित किया।

पुलिस ने शुरुआत में एक आकस्मिक मौत का मामला दर्ज किया और बच्ची के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। पोस्टमार्टम की रिपोर्ट में पता चला कि बच्ची की मौत दम घुटने से हुई थी, इसके बाद पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज किया और महिला से गहन छानबीन की। पूछताछ के दौरान महिला ने कथित तौर पर स्वीकार किया कि उसने अपनी बेटी को इसलिए मार डाला क्योंकि वह बेटा चाहती थी और बच्ची के बोलने और भाषा की क्षमताओं से असंतुष्ट थी। इसके बाद पुलिस ने महिला को गिरफ्तार कर लिया। इस महिला का डिप्रेशन का इलाज भी चल रहा है।

धार्मिक-भावनात्मक राजनीति से नहीं होगा विकास : अविनाश जाधव

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के नेता अविनाश जाधव ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन पर तीखा हमला बोला है।

उन्होंने आरोप लगाया कि महायुति विकास संबंधी विफलताओं को छिपाने के लिए धार्मिक और भावनात्मक राजनीति का सहारा ले रही है, जो अब जनता के बीच असर नहीं दिखाएगी।

उपमुख्यमंत्री और शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे के गृह क्षेत्र ठाणे में 'नमो भारत' और 'नमो ठाणे' जैसे बैनरों को लेकर जाधव ने सवाल उठाए। उन्होंने कहा, 'भावनात्मक राजनीति के जरिए लोगों को कब तक गुमराह किया जाएगा?' जाधव ने आरोप लगाया कि यदि वास्तव में विकास की बात करनी है तो ठाणे की जल सुरक्षा, अधूरे बांधों और पिछले दो दशकों से चली आ रही परिवहन समस्याओं पर जवाब देना होगा।

'बुनियादी ढांचा अव्यवस्थित, जनता परेशान'

मनसे नेता ने कहा कि ठाणे की जनता रोजमर्रा की मूलभूत समस्याओं से जूझ रही है। उन्होंने सवाल किया कि जब शहर का बुनियादी ढांचा ही अव्यवस्थित है, तब केवल नारों और बैनरों की राजनीति से लोगों को क्या मिलने वाला है। जाधव के अनुसार, ठाणे अब भावनाओं से नहीं, ठोस काम और जवाबदेही से संतुष्ट होगा।

निकाय चुनाव से पहले बढ़ी सियासी गर्मी

उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र की 29 नगर निगमों के चुनाव 15 जनवरी 2026 को होने हैं। ऐसे में ठाणे समेत पूरे राज्य में राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है और सभी दल अपने-अपने समर्थन आधार को मजबूत करने में जुटे हैं।

ठाकरे भाइयों के गठबंधन को मिलेगा मराठी समर्थन

जाधव ने दावा किया कि उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे के बीच हुए गठबंधन को ठाणे में व्यापक समर्थन मिलेगा। उन्होंने कहा कि महा विकास आघाड़ी (एमवीए) के साथ सीट बंटवारे की बातचीत अंतिम चरण में है और ठाणे की लगभग 70 प्रतिशत मराठीभाषी आबादी ठाकरे भाइयों के साथ खड़ी है।

महाराष्ट्र में ठंड का प्रकोप तेज

शीतलहर का असर जारी

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

उत्तर भारत में शीतलहर जारी है और महाराष्ट्र में भी ठंड का असर तेज़ हो गया है। खासकर सुबह और शाम के समय लोगों को कड़ाके की ठंड का सामना करना पड़ रहा है। अगले दो दिनों में हवाओं की दिशा बदलने की संभावना है, जिससे तापमान पर असर पड़ सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य के अधिकांश हिस्सों में मौसम शुष्क रहेगा और ठंड का प्रकोप अगले कुछ दिनों तक बना रहेगा। उत्तर और मध्य महाराष्ट्र के कई जिलों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया है। नासिक और पुणे में कल न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस रहा। मराठवाड़ा के अधिकांश हिस्सों में तापमान 10 से 12 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया। राज्य के अन्य हिस्सों में सुबह और शाम के समय तापमान में तेज गिरावट महसूस की जा रही है, जिससे शीतलहर अगले पांच दिनों तक जारी रहने की संभावना है।

उत्तर भारत में शीतलहर का असर

दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में न्यूनतम तापमान सामान्य से 2-4 डिग्री सेल्सियस नीचे रहा। सुबह के समय कोहरा और ठंडी हवाओं के कारण सड़क एवं रेल यातायात प्रभावित हो रहा है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, बिहार और पश्चिम बंगाल में भी शीतलहर बढ़ रही है। कुछ क्षेत्रों में कोल्ड वेव की चेतावनी भी जारी की गई है।

पश्चिमी महाराष्ट्र में बढ़ी ठंड

मुंबई, ठाणे और नवी मुंबई में मौसम शुष्क रहेगा, जबकि सुबह और देर रात हल्की बूंदाबांदी की संभावना है। कोंकण के तटीय इलाकों में शीतलहर हल्की रहेगी, लेकिन ठंड बनी रहेगी। पुणे शहर और ग्रामीण इलाकों में कड़ाके की ठंड पड़ने की संभावना है। कोल्हापुर, सांगली, सतारा और सोलापुर जिलों में भी ठंड का असर महसूस किया जा रहा है।

राज्य में तापमान में गिरावट

मौसम विभाग के अनुसार, उत्तर दिशा से आ रही ठंडी हवाओं के कारण राज्य में तापमान तेजी से गिर रहा है। मुंबई में न्यूनतम 18 और अधिकतम 32 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। पुणे में न्यूनतम 10 डिग्री तक गिर सकता है और ग्रामीण इलाकों में इससे भी कम तापमान दर्ज होने की संभावना है।

शरद पवार मेरे मेंटोर हैं, बारामती में गौतम अदानी का बड़ा बयान

डीबीडी संवाददाता । पुणे

महाराष्ट्र में आगामी महानगरपालिका और नगरपालिका चुनावों की हलचल के बीच अदानी समूह के अध्यक्ष गौतम अदानी ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकां) के वरिष्ठ नेता शरद पवार को अपना मेंटोर बताया है। रविवार को बारामती में आयोजित एक कार्यक्रम में अदानी ने कहा, 'मैं शरद पवार को लगभग तीन दशकों से जानता हूं। यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे उनका मार्गदर्शन मिला।'

गौतम अदानी ने यह बयान विद्या प्रतिष्ठान के 'शरद पवार सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' (CoE-AI) के उद्घाटन के बाद दिया। कार्यक्रम में राकां प्रमुख शरद पवार और उपमुख्यमंत्री अजीत पवार एक ही मंच पर मौजूद रहे, जिससे राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई।

शरद पवार के योगदान की सराहना

अदानी ने शरद पवार की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने कृषि क्षेत्र में बड़े सुधार किए, सहकारी संस्थाओं को मजबूत किया और उद्यमिता को बढ़ावा दिया। उन्होंने कहा, 'बारामती में शरद पवार ने जो विकास किया है, वह केवल प्रगति नहीं बल्कि एक दूरदर्शी मॉडल है।' इस मौके पर शरद पवार ने भी गौतम अदानी की सराहना करते हुए कहा कि देश के औद्योगिक विकास में अदानी का योगदान अहम रहा है और उन्होंने शून्य से शुरुआत कर यह मुकाम हासिल किया है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर बोलते हुए गौतम अदानी ने कहा कि एआई भविष्य की औद्योगिक क्रांति है, जो मानवीय क्षमताओं का विस्तार करेगी। हालांकि उन्होंने चेतावनी दी कि भारत को दूसरे देशों के एल्गोरिदम पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि डेटा सुरक्षा और निर्णय क्षमता देश के हाथ में रहनी चाहिए। उन्होंने बताया कि यह एआई सेंटर कृषि, स्वास्थ्य और स्टार्टअप्स पर केंद्रित रहेगा। यह सेंटर अदानी समूह के आर्थिक सहयोग से और पवार परिवार के विद्या प्रतिष्ठान के तहत स्थापित किया गया है।

संजय राउत का पलटवार

इस कार्यक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने कहा कि शरद पवार और अदानी के संबंध पारिवारिक हैं और किसी कार्यक्रम में किसे आमंत्रित करना है, यह उनका निजी फैसला है। हालांकि उन्होंने आरोप लगाया कि पवार परिवार और पार्टी को तोड़ने में अदानी के भाई की भूमिका रही है और भाजपा की मदद से मुंबई पर कब्जा करने की कोशिश हो रही है, जिसका उनकी पार्टी विरोध करेगी।

अजीत पवार के साथ कार से पहुंचे अदानी

बारामती पहुंचने पर गौतम अदानी का स्वागत उपमुख्यमंत्री अजीत पवार और राकां विधायक रोहित पवार ने किया। इसके बाद तीनों एक ही कार में विद्या प्रतिष्ठान पहुंचे, जिसमें अदानी और अजीत पवार साथ बैठे थे, जबकि रोहित पवार कार चला रहे थे। कार्यक्रम में शरद पवार, प्रताप पवार, सुप्रिया सुले, सुनेत्रा पवार, रोहित पवार और राजेंद्र पवार समेत पूरा पवार परिवार लंबे समय बाद एक साथ नजर आया।

'अदानी मेरे भाई जैसे हैं': सुप्रिया सुले

राकां (एसपी) सांसद सुप्रिया सुले ने कहा कि गौतम अदानी उनके लिए सिर्फ एक उद्योगपति नहीं, बल्कि भाई जैसे हैं। उन्होंने कहा कि अदानी उनके जीवन की हर अहम खबर में साथ रहते हैं और परिवार जैसा रिश्ता निभाते हैं।

हिंदी भाषी वोट बैंक पर राजनीति: उत्तर भारतीय कार्यकर्ताओं में नाराजगी

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई महानगर क्षेत्र में हिंदीभाषी मतदाता, विशेषकर उत्तर प्रदेश और बिहार के नागरिक, राजनीतिक समीकरणों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, कल्याण-डोंबिवली सहित अन्य महानगर पालिकाओं में उत्तर भारतीय मतदाता करीब 30 प्रतिशत हैं। सभी राजनीतिक दल इस बात को समझ चुके हैं कि बिना उत्तर भारतीय वोट बैंक के मुंबई में चुनाव जीतना कठिन है। हालांकि, चुनाव के समय दल इन मतदाताओं की सक्रिय भागीदारी लेते हैं, लेकिन चुनाव जीतने के बाद उन्हें अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं। भाजपा के कई कार्यकर्ता इस बात से नाराज हैं कि ठाणे मनपा चुनाव में उनकी हिस्सेदारी कम की जा रही है।

हिस्सेदारी में समानता की मांग

ठाणे मनपा चुनाव में भाजपा के टिकट पर रामनयन यादव, शेरबहादुर सिंह, दीनानाथ दुबे, आशा सिंह, राजकुमार यादव जैसे कई उत्तर भारतीय कार्यकर्ता निर्वाचित हो चुके हैं। बावजूद इसके, पार्टी में बढ़ती ग्राफ और कांग्रेस व अन्य पार्टियों से दूर होने के बावजूद, भाजपा हिंदी भाषियों को केवल वोट बैंक के रूप में महत्व दे रही है, जबकि उन्हें पार्टी में उचित हिस्सेदारी नहीं दी जा रही। ठाणे मनपा चुनावी बिगुल बजने के बाद, भाजपा में वर्षों से काम करने वाले पूर्व नगरसेवक राजकुमार यादव, रजनीश त्रिपाठी, संजय सिंह, अमित सिंह, दीनानाथ पाडे, लक्ष्मीकांत यादव, श्रीकांत दुबे, शशिकांत दुबे, शैलेश शर्मा, नीरज सिंह, अमित राय, संतोष जयसवाल, मनोज प्रजापति सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने पार्टी नेतृत्व से टिकट की मांग की है।

दुष्कर्म मामले में आरोपी बरी

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

नवी मुंबई की बेलापुर अदालत ने दुष्कर्म और आपराधिक धमकी के मामले में 48 वर्षीय आरोपी हरेकृष्ण रामचंद्र साहनी को बरी कर दिया। अदालत ने कहा कि महिला और आरोपी के बीच संबंध आपसी सहमति से थे और दोनों पक्षों ने मामले को आपस में सुलझा लिया था। अभियोजन के अनुसार, महिला ने वर्ष 2010 में आरोपी से 20,000 रुपए उधार लिए थे। आरोप था कि आरोपी ने महिला की आर्थिक तंगी का लाभ उठाकर बार-बार यौन संबंध बनाए और विरोध करने पर उसके पति को जान से मारने की धमकी दी। कथित यौन शोषण नवंबर 2015 तक चला, जिसके बाद महिला ने अपने पति को पूरी घटना बताई और पुलिस से संपर्क किया।

मुकदमे के दौरान महिला की गवाही में सामने आया कि आरोपी के साथ उसका संबंध जबरदस्ती नहीं था। जिरह में महिला ने स्वीकार किया कि यौन संबंध उसकी सहमति से बने थे और बाद में दोनों पक्षों ने मामले को अदालत के बाहर सुलझा लिया। अदालत ने आदेश में कहा कि कोई ठोस सबूत नहीं था जिससे जबरदस्ती साबित हो सके। उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आरोपी को बरी कर दिया गया।

भिवंडी मनपा चुनाव में सड़क निर्माण को लेकर आचार संहिता उल्लंघन का मामला

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी महानगरपालिका चुनाव के दौरान आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के मामलों पर प्रशासन ने सख्ती शुरू कर दी है। इसी कड़ी में मनपा के पूर्व महापौर, उनके पुत्र और ठेकेदार समेत पांच लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। आरोप है कि बिना अनुमति सड़क निर्माण कार्य शुरू कर मतदाताओं को रिझाने की कोशिश की गई। पुलिस के अनुसार, भिवंडी मनपा के बीट निरीक्षक हनुमान म्हात्रे ने निजामपुर पुलिस थाने में दर्ज शिकायत में बताया कि मनपा प्रभाग समिति-5 के सहायक आयुक्त सईद चिवने को महाडा कॉलोनी क्षेत्र में आचार संहिता उल्लंघन की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही सहायक आयुक्त ने तत्काल मौके पर कार्रवाई के निर्देश दिए।

पांच आरोपियों पर केस दर्ज

हनुमान म्हात्रे की शिकायत के आधार पर निजामपुर पुलिस ने पूर्व महापौर विलास पाटिल, उनके पुत्र मयूरेश पाटिल, इरफान हबीब अंसारी, जहीरुद्दीन अंसारी और अब्दुल रज्जाक बेग के खिलाफ महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम और बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

गफूर रोड पर निर्माण कार्य पकड़ा गया

चुनाव भरारी पथक और पुलिस जब गफूर रोड पहुंची, तो वहां दो आईवा डंपरों के जरिए सड़क निर्माण के लिए पत्थर डालने का कार्य चल रहा था। वाहन चालकों से पूछताछ में सामने आया कि यह काम पूर्व महापौर विलास पाटिल और उनके पुत्र मयूरेश पाटिल के निर्देश पर किया जा रहा था। जांच में यह भी सामने आया कि सड़क निर्माण के लिए चुनाव आयोग से कोई अनुमति नहीं ली गई थी। शिकायत के मुताबिक, चुनाव के दौरान सड़क निर्माण कराए जाने का दावा कर मतदाताओं को सुविधा के बदले वोट देने का प्रलोभन दिया जा रहा था, जो आदर्श आचार संहिता का स्पष्ट उल्लंघन है।

चुनावी सख्ती से शहर में चर्चा

मामला सामने आने के बाद भिवंडी में चुनावी सख्ती को लेकर चर्चा तेज हो गई है। मतदाताओं ने प्रशासन से दोषियों पर कड़ी कार्रवाई कर निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित करने की मांग की है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

मुंबई में कांग्रेस-UBT गठबंधन नहीं

सपकाल बोले- वजूद खतरे में होता

डीबीडी संवाददाता। मुंबई

बृहन्मुंबई नगर निगम (BMC) चुनाव को लेकर महाराष्ट्र में राजनीतिक गतिविधियां तेज हैं। कांग्रेस और प्रकाश अंबेडकर की वंचित बहुजन आघाड़ी (VBA) के बीच गठबंधन तय हो गया है, लेकिन उद्धव ठाकरे की शिवसेना (UBT) के साथ कांग्रेस का गठबंधन नहीं हो पाया। सीट शेयरिंग पर दोनों दलों के बीच सहमति नहीं बन सकी।

'UBT के साथ सीट शेयरिंग पर नहीं बनी बात'

महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन वसंतराव सपकाल ने बताया कि कांग्रेस और UBT के बीच गठबंधन न होने का कारण सीट शेयरिंग थी। अगर UBT से गठबंधन होता, तो कांग्रेस को कम सीटें मिलतीं और मुंबई में पार्टी का वजूद कमजोर हो जाता। वहीं VBA अपनी चुनाव चिन्ह पर 62 सीटों पर चुनाव लड़ेगी और कांग्रेस अपने चुनाव चिन्ह 'पंजे' पर चुनाव लड़ रही है।

राज ठाकरे पर स्पष्टीकरण

सपकाल ने कहा कि राज ठाकरे के कारण गठबंधन नहीं होना नहीं है। उन्होंने बताया कि एनएनएस की विचारधारा अलग है और कांग्रेस की अलग। उन्होंने यह भी कहा कि राज ठाकरे की वजह से मुस्लिम वोट अलग हो जाते ऐसा कहना गलत है।

स्टार प्रचारक और चुनाव रणनीति

सपकाल ने बताया कि मुंबई और पूरे महाराष्ट्र में राज्य इकाई के नेताओं को स्टार प्रचारक बनाया जाएगा। राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे और सोनिया गांधी को फिलहाल प्रचार में नहीं बुलाया गया है। उनका कहना है कि कांग्रेस का उद्देश्य सिर्फ सत्ता पाना नहीं, बल्कि लोगों तक पहुंचना, समाज और गरीब की समस्याओं का समाधान करना है।

उद्धव ठाकरे के बयान पर प्रतिक्रिया

सपकाल ने उद्धव ठाकरे के बीजेपी को 'एनाकोंडा' और कांग्रेस को 'अब्दाली' कहने पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि उद्धव को कांग्रेस के लिए इस तरह की भाषा का प्रयोग नहीं करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि मुंबई के बाहर कई महानगरपालिकाओं में कांग्रेस और UBT गठबंधन कर रहे हैं।

BMC चुनाव

AAP ने जारी की तीसरी उम्मीदवार सूची

मुंबई। महाराष्ट्र में बृहन्मुंबई महानगरपालिका (BMC) समेत 29 महानगरपालिकाओं के लिए चुनाव की तारीखों का ऐलान हो चुका है। आम आदमी पार्टी (AAP) चुनावी मैदान में अकेले उतरी है और रविवार (28 दिसंबर) को पार्टी ने 15 उम्मीदवारों की तीसरी सूची जारी की। अब तक AAP कुल 51 उम्मीदवारों की सूची जारी कर चुकी है। पार्टी का कहना है कि सूची में समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों का प्रतिनिधित्व शामिल है।

AAP नेता प्रीति शर्मा मेनन ने कहा कि पार्टी ने राजनीतिक मजबूरियों से ऊपर उठकर अपने जमीनी कार्यकर्ताओं और नागरिक नायकों को BMC चुनाव के लिए उम्मीदवार बनाया है। उन्होंने बताया कि यह कदम पार्टी की जनता से सीधी जुड़ाव और लोक समर्थन को दर्शाता है।

बीजेपी के कुशासन से नाराज हैं लोग

मेनन ने आगे कहा कि मुंबई के लोग बीजेपी के कुशासन से परेशान हैं और कांग्रेस व शिवसेना द्वारा उसे समर्थन दिए जाने से भी निराश हैं। उन्होंने कहा कि मुंबई और मुंबईकर बेहतर शासन के हकदार हैं और AAP को जमीन पर व्यापक समर्थन मिल रहा है।

चुनाव की तारीखें

BMC समेत राज्य की 29 महानगरपालिकाओं में 23 दिसंबर से नामांकन भरने की प्रक्रिया शुरू हो गई थी, जबकि नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 30 दिसंबर है। मतदान 15 जनवरी को होगा और मतगणना 16 जनवरी को होगी। AAP ने पहले ही साफ कर दिया है कि वह मुंबई महानगर पालिका की सभी सीटों पर अकेले चुनाव लड़ेगी और किसी भी दल के साथ गठबंधन नहीं करेगी।

55 करोड़ की ड्रग्स जब्त, चार गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता। मुंबई

महाराष्ट्र एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने बेंगलुरु में तीन अवैध मेफेड्रोन (एमडी) फैक्ट्रियों पर छापा मारकर लगभग 21 किलो ड्रग्स ज़ब्त की है, जिसकी बाजार कीमत 55 करोड़ रुपये से अधिक बताई जा रही है। इस कार्रवाई में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

गिरफ्तारी की क्रमवार कार्रवाई

एएनटीएफ की कोंकण टीम ने नवी मुंबई के वाशी इलाके में अब्दुल कादिर राशिद शेख को मादक पदार्थ सहित गिरफ्तार किया। शेख के पास से 1.48 किलो मेफेड्रोन बरामद हुई, जिसकी कीमत लगभग 1.48 करोड़ रुपये थी। पूछताछ के दौरान आरोपी ने बंगलुरु में तीन अस्थायी फैक्ट्रियों का खुलासा किया।

इसके बाद बेंगलुरु में प्रशांत यल्लप्पा पाटिल को ट्रैक कर गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में पाटिल ने ड्रग निर्माण और सप्लाई का पूरा नेटवर्क बताया। इसी जानकारी के आधार पर दो और आरोपित, सुरेश रमेश यादव और मलखान रामलाल बिश्नोई, जिन्हें राजस्थान का निवासी बताया गया है, को गिरफ्तार किया गया। एएनटीएफ की टीम ने बेंगलुरु के गोलाहल्ली, स्पंदना और येरपनहल्ली कन्नूर इलाकों में स्थित तीन अवैध फैक्ट्रियों पर छापा मारा। छापेमारी में 4.1 किलो पाउडर और 17.3 किलो लिक्विड मेफेड्रोन, साइकोट्रॉपिक केमिकल्स और ड्रग बनाने के उपकरण जब्त किए गए।

सप्लाई नेटवर्क और आगे की जांच

प्रारंभिक जांच में पता चला कि इन फैक्ट्रियों में बनी ड्रग्स देश के कई हिस्सों में सप्लाई की जा रही थी। आरोपितों ने ड्रग तस्करी से कमाए पैसे बंगलुरु में प्रॉपर्टी में निवेश किए थे। एएनटीएफ प्रमुख शारदा राउत ने नागरिकों से अपील की है कि यदि उन्हें ड्रग्स तस्करी के बारे में कोई जानकारी मिले तो वे स्पेशल टास्क फोर्स के नंबर 07218000073 पर संपर्क करें।

रेत घाट आवंटन रद्द करने का फैसला बरकरार

हाईकोर्ट ने याचिकाएं खारिज कीं

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर पीठ ने रेत घाटों के आवंटन से जुड़े अनुबंध रद्द करने और सुरक्षा जमा राशि जब्त करने के राज्य सरकार के फैसले पर मुहर लगा दी है। अदालत ने कहा कि रेत डिपो पर 24×7 सीसीटीवी निगरानी सुनिश्चित न करना रेत नीति और अनुबंध की शर्तों का गंभीर उल्लंघन है।

मेसर्स सुपर ट्रेडिंग कंपनी, राहुल माहूरकर सहित अन्य ठेकेदारों द्वारा दायर याचिकाओं में सरकारी कार्रवाई को चुनौती दी गई थी। याचिकाकर्ताओं को रेत घाटों के आवंटन के लिए सफल बोलीदाता घोषित किया गया था और उनके साथ विधिवत अनुबंध किया गया था। अनुबंध के तहत 16 फरवरी 2024 की रेत नीति और संबंधित सरकारी प्रस्तावों में तय सभी शर्तों का पालन अनिवार्य था।

लोडशेडिंग का तर्क स्वीकार्य नहीं

अदालत ने याचिकाकर्ताओं की इस दलील को खारिज कर दिया कि बिजली कटौती के कारण वे 24 घंटे का सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध नहीं करा सके। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि अनुबंध की शर्तों के अनुसार बिजली आपूर्ति बाधित होने की स्थिति में जनरेटर की व्यवस्था करना ठेकेदारों की जिम्मेदारी थी। कोर्ट ने कहा कि जहां बिजली ग्रिड उपलब्ध नहीं है, वहां सौर ऊर्जा आधारित सीसीटीवी सिस्टम लगाया जा सकता था। इसके बावजूद ठेकेदारों द्वारा कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई, जो अनुबंध उल्लंघन को और गंभीर बनाती है।

BMC चुनाव से पहले AIMIM को झटका, मुंबई अध्यक्ष का इस्तीफा

मुंबई। महाराष्ट्र में बृहन्मुंबई महानगरपालिका (BMC) चुनाव से पहले ऑल इंडिया मजलिस-ए-इतेहादुल मुस्लिमीन (AIMIM) को बड़ा राजनीतिक झटका लगा है। पार्टी के मुंबई अध्यक्ष हाजी फारूक मकबूल शाब्दी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। बताया जा रहा है कि टिकट बंटवारे को लेकर असहमति के चलते उन्होंने यह कदम उठाया है।

सूत्रों के अनुसार, BMC चुनाव में टिकट वितरण की जिम्मेदारी पार्टी नेतृत्व ने वारिस पठान और इम्तियाज जलील को सौंपी थी, जिससे हाजी फारूक मकबूल शाब्दी नाराज चल रहे थे। इसी नाराजगी के चलते उन्होंने पार्टी नेतृत्व से दूरी बना ली और अंततः इस्तीफा सौंप दिया।

हाजी फारूक मकबूल शाब्दी ने AIMIM की प्राथमिक सदस्यता के साथ-साथ महाराष्ट्र प्रदेश कार्याध्यक्ष, मुंबई अध्यक्ष और सोलापुर शहर जिला अध्यक्ष के पद से भी इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपना त्यागपत्र पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी को भेजा है।अपने इस्तीफे में शाब्दी ने कहा कि वह पार्टी द्वारा उन्हें दिए गए विश्वास और जिम्मेदारियों के लिए आभारी हैं। उन्होंने AIMIM की प्राथमिक सदस्यता और सभी पदों से स्वयं को मुक्त करने की घोषणा करते हुए अपने इस्तीफे को स्वीकार करने का अनुरोध किया है। शाब्दी के इस्तीफे के बाद AIMIM के महाराष्ट्र संगठन में हलचल तेज हो गई है।

रामदास अठावले नाराज़, सीट बंटवारे को कहा अनुचित

डीबीडी संवाददाता। मुंबई

महायुति में मुंबई नगर निगम चुनाव के लिए सीट बंटवारे को लेकर रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (अठावले गुट) के अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने नाराज़गी जताई है। अठावले ने कहा कि भाजपा के पास मुंबई में 26 सीटों का प्रस्ताव है, जिनमें कम से कम 15-16 सीटें RPI को दी जानी चाहिए। रामदास अठावले ने बताया कि उन्होंने 26 सीटों की सूची भाजपा को सौंपी है और यह सूची भाजपा विधायक अमित साटम को भी दी जा चुकी है। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि प्रस्ताव दिया गया है, तो यह स्पष्ट किया जाए कि भाजपा कोटे से RPI को कौन-कौन सी सीटें मिलेंगी। अठावले ने बताया कि उनकी पार्टी के 73 उम्मीदवारों ने आवेदन किए हैं और मुंबई में RPI की संगठनात्मक ताकत मजबूत है।

हमें अलग नहीं किया जाना चाहिए

अठावले ने कहा, "2012 में जब राज ठाकरे की चुनौती थी, तब भी हम भाजपा के साथ खड़े थे, लेकिन आज हमें नजरअंदाज किया जा रहा है। रिपब्लिकन पार्टी बाबासाहेब आंबेडकर की विचारधारा की पार्टी है और हमें अलग नहीं किया जाना चाहिए।" उन्होंने वंचित बहुजन आघाड़ी के कांग्रेस के साथ जाने के बाद दलित वोटों को महायुति के साथ बनाए रखने में RPI की अहम भूमिका बताई।

भाजपा का प्रयास: नाराज़गी दूर करने की कोशिश

भाजपा नेता प्रवीण दरेकर अठावले की नाराज़गी दूर करने उनके आवास पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि रामदास अठावले महायुति परिवार का अहम हिस्सा हैं और उनका पूरा सम्मान किया जाएगा। मुख्यमंत्री स्वयं इस विषय पर ध्यान दे रहे हैं और सीटों को लेकर बातचीत अभी जारी है। दरेकर ने कहा, ₹अठावले जी की नाराज़गी में भी अपनापन है। वे बड़े जनाधार वाले नेता हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर मुख्यमंत्री तक उनके अच्छे संबंध हैं।

फर्जी लर्नर ड्राइविंग लाइसेंस मामले का मुख्य आरोपी बिहार से गिरफ्तार

मुंबई। महाराष्ट्र में फर्जी लर्नर ड्राइविंग लाइसेंस जारी करने वाले गैंग का मुख्य आरोपी बिहार से गिरफ्तार किया गया है। आरोपी बिद्दराज प्रमोद यादव (24) ने फर्जी वेबसाइट बनाकर और सरकारी कंप्यूटर सिस्टम को बिना इजाज़त एक्सेस करके लोगों को ठगा था। इस कार्रवाई में जालना लोकल क्राइम ब्रांच और साइबर पुलिस स्टेशन की टीम ने भाग लिया।

मुंबई ट्रांसपोर्ट आयुक्त के अनुसार, महाराष्ट्र में फर्जी लर्निंग लाइसेंस जारी करने के कई मामले सामने आने के बाद 26 नवंबर को जालना जिले के डिप्टी रीजनल ट्रांसपोर्ट ऑफिसर अभिजीत कडुबा बावस्कर ने साइबर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कराया था। जालना पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में लोकल क्राइम ब्रांच और साइबर पुलिस की संयुक्त टीम ने जांच शुरू की।

जांच में पता चला कि आरोपी बार-बार अपने ठिकानों को बदल रहा था। पटना, सिमरी बख्तियारपुर और सहरसा में चलाए गए सर्च ऑपरेशन के दौरान उसे हिरासत में लिया गया। आरोपी के पास से लैपटॉप, आईफोन और थंब मशीन जब्त की गई, जिनकी कीमत लगभग 1.46 लाख रुपये बताई गई है। अदालत ने रविवार को आरोपी को चार दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया। इससे पहले इस मामले में जम्मू-कश्मीर से फैसल बशीर मीर और जालना से मुजाहिद उर्फ डॉन रईसुद्दीन अंसारी को गिरफ्तार किया जा चुका है।

मुंबई कांग्रेस के आदिवासी नेता ने दिया इस्तीफा

मुंबई। मुंबई नगर निगम चुनाव में वंचित विकास आघाड़ी (वविआ) के साथ कांग्रेस का गठबंधन होने से नाराज मुंबई कांग्रेस आदिवासी विभाग के अध्यक्ष सुनील कुमरे ने रविवार को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता सहित सभी पदों से इस्तीफा दे दिया। सुनील कुमरे ने कहा कि वंचित विकास आघाड़ी को समझौते में जो सीटें दी गई हैं, उन पर पार्टी ने काफी मेहनत की थी। समझौते के तहत उन सीटों को वविआ को दिए जाने से आदिवासी कार्यकर्ताओं के साथ अन्याय हुआ है। इसी वजह उन्होंने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है।

कामर्शियल बिल्डिंग में आग से करोड़ों का सामान जलकर राख

मुंबई। महाराष्ट्र के सांताक्रूज के कालिना इलाके में स्थित एमजीन चैंबर्स नामक कमर्शियल बिल्डिंग में रविवार तड़के अचानक आग लगने से करोड़ों रुपये का सामन जलकर राख हो गया। इस घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आज सुबह तक आग पर काबू पा लिया। इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। मुंबई नगर निगम के प्रवक्ता ने बताया कि कालिना में सीएसटी रोड पर भारत बैंक के सामने स्थित एमजीन चैंबर्स नामक छह-मंजिला कामर्शियल बिल्डिंग में अचानक आग लग गई। इसकी सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाना शुरु किया। बिल्डिंग चारों तरफ कांच से कवर की गई थी, इसलिए फायर ब्रिगेड को आग बुझाने में दिक्कत हुई, लेकिन आज सुबह तक आग पर काबू पा लिया। इस घटना में बिल्डिंग में बिजली की वायरिंग और इंस्टॉलेशन, ऑफिस की फाइलें और रिकॉर्ड, लकड़ी का फर्नीचर, कंप्यूटर, दरवाजे, खिड़कियां, कुर्सियां, ग्लास फेकेड के हिस्से और फॉल्स सीलिंग जलकर खाक हो गए।

मुंबई में बीजेपी नेता किरीट सोमैया का विवादित बयान

मुस्लिम प्रजनन दर हिंदुओं से दोगुनी

डीबीडी संवाददाता। मुंबई

बीजेपी नेता और पूर्व सांसद किरीट सोमैया ने जनसंख्या वृद्धि को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि मुस्लिम कपल हिंदू परिवारों की तुलना में दोगुनी रफ्तार से बच्चे पैदा कर रहे हैं। सोमैया ने NFHS (National Family Health Survey) रिपोर्ट का हवाला देते हुए यह दावा किया, जिससे राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर चर्चा तेज हो गई है।

सोमैया ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करते हुए कहा कि महाराष्ट्र के शहरी इलाकों में औसत प्रजनन दर लगभग 1.4 है। उन्होंने मुंबई में हिंदू परिवारों की प्रजनन दर 1.3 और मुस्लिम परिवारों की प्रजनन दर लगभग 3 बताई। उनका दावा है कि इससे यह निष्कर्ष निकलता है कि मुस्लिम कपल अधिक बच्चे पैदा कर रहे हैं।

बांग्लादेशी प्रवासन को भी बताया कारक

बीजेपी नेता ने यह भी कहा कि मुंबई में जनसंख्या परिवर्तन केवल प्राकृतिक प्रजनन वृद्धि के कारण नहीं हो रहा है, बल्कि इसमें बांग्लादेशी प्रवासन की भूमिका भी है। उनका कहना है कि यह प्रवासन प्राकृतिक जनसंख्या वृद्धि के अतिरिक्त है।

जनसंख्या विशेषज्ञ और समाजशास्त्री बताते हैं कि प्रजनन दर पर शिक्षा, शहरीकरण, आर्थिक स्थिति, स्वास्थ्य सुविधाएं और महिला सशक्तिकरण जैसे कई सामाजिक-आर्थिक कारकों का प्रभाव होता है। उन्होंने कहा कि किसी भी समुदाय या शहर के लिए निष्कर्ष निकालते समय केवल आधिकारिक जनगणना और NFHS जैसी सत्यापित रिपोर्ट्स पर ही भरोसा करना चाहिए।

उन्नाव बलात्कार मामला

मुंबई युवा कांग्रेस का लोकल ट्रेन जनजागरण आंदोलन

मुंबई। उन्नाव बलात्कार मामले में भाजपा विधायक कुलदीप सेंगर को मिली राहत के खिलाफ मुंबई युवा कांग्रेस ने सड़कों और लोकल ट्रेन में जनजागरण अभियान चलाया। पार्टी ने कहा कि 'बेटी बचाओ' केवल भाजपा का खोखला नारा है, जबकि असल में वह बेटी पर अत्याचार करने वालों के पक्ष में खड़ी है।

मुंबई युवा कांग्रेस की अध्यक्ष ज़ीनत शबरीन के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने सांताक्रूज़ से चर्चगेट तक लोकल ट्रेन में यात्रियों से संवाद किया। इस आंदोलन में मुंबई युवा कांग्रेस के प्रभारी पवन मजीठिया, प्रदेश महासचिव संतोष गुप्ता, उत्तर-पश्चिम जिला अध्यक्ष शिव जतन यादव, दक्षिण-मध्य जिला अध्यक्ष प्रज्ञा धावले सहित अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल थे। कार्यकर्ताओं ने उन्नाव प्रकरण की पूरी जानकारी यात्रियों तक पहुंचाई और सरकार की भूमिका पर सवाल उठाए।

भाजपा के खोखले नारे का विरोध

ज़ीनत शबरीन ने कहा कि 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' भाजपा का केवल प्रचार है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सत्ता का दुरुपयोग कर सेंगर जैसे आरोपियों को संरक्षण दे रही है। महिलाओं की सुरक्षा के लिए संवेदनशील और न्यायपूर्ण भूमिका निभाने के बजाय सरकार आरोपियों को राहत दे रही है।

पश्चिम रेलवे

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक,मुंबई सेंट्रल मंडल, पश्चिम रेलवे मंडल रेल प्रबंधक, वाणिज्य विभाग,
एनएफआर अनुभाग, मुंबई सेंट्रल, मुंबई- 400 008

कार्य का नाम: मुंबई मंडल में विभिन्न एनएफआर (Non-Fare Revenue) माध्यमों के माध्यम से विज्ञापन का प्रदर्शन।

नीलामी कैटलॉग संख्या	ई-नीलामी प्रारंभ (सभी लॉट्स)
MMCT-ADVT-25-66	08-01-2026 को 15:00 बजे

क्र. सं.	लॉट नंबर	स्थान/क्षेत्र	दिन	ई-नीलामी की समाप्ति तिथि और समय
1	ADVT-Int-S1-10EMUSBP-463-25-2 (Advertising – Train Interior)	सिर्फ़ लेडीज़ कोच के अंदर, नीचे के हिस्से पर स्टिकर/फ्लेक्स/विनाइल 25-2 (Advertising-Train Interior) से विज्ञापन दिखाना	90	08-01-26 15:30:00
	मुंबई डिवीजन, वेस्टर्न रेलवे पर, 90 दिनों के लिए, 10 EMU रेक (12-कार) में, दरवाज़े के पास वाले साइड पार्टीशन पर, कुल 184.7 sq. m एरिया में।			

संपर्क विवरण:लैंडलाइन नंबर: 022-6764 4212 ई-मेल आईडी: acmadvtgbct@gmail.com
सूचना: इच्छुक बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे IREPS वेबसाइट (www.ireps.gov.in) पर उपलब्ध ई-नीलामी लीज़िंग मॉड्यूल देखें। लॉट-वार (प्रत्येक लॉट का) विवरण वहाँ उल्लिखित कैटलॉग के अंतर्गत उपलब्ध है।
0948

Like us on: facebook.com/WesternRly • Follow us on: X.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक,मुंबई सेंट्रल मंडल, पश्चिम रेलवे मंडल रेल प्रबंधक, वाणिज्य विभाग,
एनएफआर अनुभाग, मुंबई सेंट्रल, मुंबई- 400 008

कार्य का नाम: मुंबई मंडल में विभिन्न एनएफआर (Non-Fare Revenue) माध्यमों के माध्यम से विज्ञापन का प्रदर्शन।

नीलामी कैटलॉग संख्या	ई-नीलामी प्रारंभ (सभी लॉट्स)
MMCT-ADVTM25-46	14-01-2026 को दोपहर 12:00 बजे

क्र. सं.	लॉट नंबर	स्थान/क्षेत्र	दिन	ई-नीलामी की समाप्ति तिथि और समय
1	MSS-BCT-MRU-MedStn-45-24-1(Misc-Static-Services-स्टेशन पर मेडिकल सुविधाएं)	माटुंगा रोड रेलवे स्टेशन पर आपातकालीन चिकित्सा कक्ष (Emergency Medical Room) के माध्यम से 5 वर्षों की अवधि के लिए 24×7 (चौबीसों घंटे) चिकित्सा सुविधाएँ प्रदान करना।	1826	14-01-26 12:30:00
2	MSS-BCT-GTR-MedStn-94-25-1 (Misc-Static-Services-स्टेशन पर मेडिकल सुविधाएं)	ग्रांट रोड रेलवे स्टेशन पर आपातकालीन चिकित्सा कक्ष (Emergency Medical Room) के माध्यम से 5 वर्षों की अवधि के लिए 24×7 (चौबीसों घंटे) चिकित्सा सुविधाएँ प्रदान करना।	1826	14-01-26 12:40:00
3	MSS-BCT-BDTS-MedStn-93-25-1 (Misc-Static-Services-स्टेशन पर मेडिकल सुविधाएं)	बांद्रा टर्मिनस रेलवे स्टेशन पर आपातकालीन चिकित्सा कक्ष (Emergency Medical Room) के माध्यम से 5 वर्षों की अवधि के लिए 24×7 (चौबीसों घंटे) चिकित्सा सुविधाएँ प्रदान करना।	1826	14-01-26 12:50:00
4	MSS-BCT-RMAR-MedStn-92-25-1 (Misc-Static-Services-स्टेशन पर मेडिकल सुविधाएं)	राम मंदिर रेलवे स्टेशन पर आपातकालीन चिकित्सा कक्ष (Emergency Medical Room) के माध्यम से 5 वर्षों की अवधि के लिए 24×7 (चौबीसों घंटे) चिकित्सा सुविधाएँ प्रदान करना।	1826	14-01-26 13:00:00

संपर्क विवरण:लैंडलाइन नंबर: 022-6764 4212 ई-मेल आईडी: acmadvtgbct@gmail.com
सूचना: इच्छुक बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे IREPS वेबसाइट (www.ireps.gov.in) पर उपलब्ध ई-नीलामी लीज़िंग मॉड्यूल देखें। लॉट-वार (प्रत्येक लॉट का) विवरण वहाँ उल्लिखित कैटलॉग के अंतर्गत उपलब्ध है।
0949

Like us on: facebook.com/WesternRly • Follow us on: X.com/WesternRly

संपादकीय

बांग्लादेश से सतर्कता जरूरी

बांग्लादेश में पिछले वर्ष जुलाई में शेख हसीना सरकार के खिलाफ छेड़े गए छात्र आंदोलन से अशांति और अस्थिरता का जो दौर शुरू हुआ, वह खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। इस आंदोलन के चलते शेख हसीना को सत्ता से बाहर होना पड़ा और उन्हें जान बचाने के लिए भारत में शरण लेनी पड़ी। उनके तख्तापलट के बाद सेना के हस्तक्षेप से वहां बनी अंतरिम सरकार की कमान जब नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस ने संभाली तो माना यह गया था कि वे अशांति और अस्थिरता दूर कर वहां बन रहे भारत विरोधी माहौल पर भी लगाम लगाने का काम करेंगे, लेकिन उन्होंने ऐसा कुछ भी नहीं किया। 16 माह बाद भी बांग्लादेश अशांत एवं अस्थिर है और वहां भारत विरोधी तत्व भी बेलगाम हैं। पिछले दिनों वहां जब एक कट्टरपंथी छात्र नेता उस्मान हादी की हत्या कर दी गई तो यह अफवाह फैलाई गई कि उसका हत्यारा भारत भाग गया है। उसके साथ-साथ शेख हसीना को भी सौंपने की मांग कर वहां नए सिरे से भारत विरोधी माहौल बनाया जाने लगा। इसी माहौल में वहां एक हिंदू युवक की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई और फिर उसके शव को सबके सामने जला दिया गया। इसके बाद पुलिस ने स्पष्ट किया कि छात्र नेता के हत्यारे के भारत भाग जाने की कहीं कोई सूचना नहीं। इसके बाद भी वहां भारत विरोधी तत्व उत्पात मचा रहे हैं। वे भारत के उच्चायोग को निशाना बनाने की कोशिश करने के साथ हिंदुओं पर हमले करने में लगे हुए हैं, जबकि हादी के भाई ने उसकी हत्या के लिए मोहम्मद यूनुस सरकार को ही कठघरे में खड़ा किया है। बीते दिनों वहां एक और हिंदू युवक की हत्या कर दी गई। इसके अलावा हिंदुओं के घरों में आगजनी की जा रही है। इसी तरह की घटनाएं तब भी हुई थीं, जब शेख हसीना का तख्तापलटा गया था।

भारत और बांग्लादेश के बीच बिगड़ते संबंधों के बीच वहां के सबसे बड़े राजनीतिक दल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान जिया का 17 साल बाद लंदन से लौटना एक बड़ा घटनाक्रम है। वह पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान एवं पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे हैं। इस समय खालिदा जिया गंभीर रूप से बीमार हैं और अस्पताल में हैं। यदि फरवरी में होने वाले आम चुनावों में बीएनपी जीत हासिल करती है तो तारिक रहमान देश की कमान संभाल सकते हैं, लेकिन इन चुनावों का स्वतंत्र एवं निष्पक्ष कहना कठिन है। इसका बड़ा कारण यह है कि अंतरिम सरकार ने शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग को प्रतिबंधित कर उसे चुनाव लड़ने से रोक दिया है। इतना ही नहीं, उस जमाते इस्लामी को चुनाव लड़ने दिया जा रहा है, जिस पर शेख हसीना ने इसलिए प्रतिबंध लगा रखा था, क्योंकि वह पाकिस्तान समर्थक है। जमात ने बांग्लादेश की लड़ाई के समय पाकिस्तान का साथ दिया था। जमाते इस्लामी के साथ ही बांग्लादेश में अन्य ऐसे कट्टरपंथी तत्व बेलगाम हैं, जो भारत विरोध के साथ हिंदुओं पर दमन के लिए कुख्यात हैं। मोहम्मद यूनुस उन पर लगाम लगाने की कहीं कोई कोशिश करते दिख नहीं दिख रहे हैं। बांग्लादेश का जन्म भारत की मदद से हुआ था। वहां लंबे समय सत्ता में रहीं शेख हसीना भारत की मित्र थीं। उनके समय में दोनों देशों के संबंधों में मजबूती आई, लेकिन अब वहां भारत विरोधी माहौल है। इसका बड़ा कारण मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली सरकार की ओर से भारत विरोधी तत्वों की अनदेखी किया जाना है। वे न तो कट्टरपंथी तत्वों पर लगाम लगाने में दिलचस्पी ले रहे हैं और न ही भारत से संबंध सुधारने में। ऐसा लगता है कि शेख हसीना के प्रति उनकी नाराजगी भारत विरोध में तब्दील हो गई है। वे भारत की चिंताओं का समाधान करने के बजाय उन्हें बढ़ाने का काम करते दिख रहे हैं। बांग्लादेश को लेकर भारत की चिंता इसलिए और बढ़ गई है, क्योंकि मोहम्मद यूनुस उस पाकिस्तान से संबंध बढ़ाने में लगे हुए हैं, जिसने वहां के लोगों पर कहर ढाया था। कभी-कभी तो ऐसा लगता है कि वे भारत को चिढ़ाने के लिए ही पाकिस्तान को अहमियत दे रहे हैं। बांग्लादेश में केवल पाकिस्तान का ही हस्तक्षेप बढ़ता नहीं दिख रहा, चीन का प्रभाव भी बढ़ रहा है। मोहम्मद यूनुस पाकिस्तान के साथ चीन को भी प्राथमिकता दे रहे हैं। उनके रवैए से लगता है भारत से दोस्ती उन्हें पसंद नहीं। भारत से संबंध सुधारने में उनकी अनिच्छा से प्रतीति होती है कि वे बांग्लादेश में भारत के खिलाफ माहौल बनाने के लिए कुछ अन्य अंतरराष्ट्रीय ताकतों को भी अवसर दे रहे हैं।

ईरानी जल संकट : वैश्विक खतरे की आहट

ग्लेशियर और भूजल एक तरह से प्राचीन ट्रस्ट फंड हैं। सूखे जैसी जरूरत के समय ही इनका उपयोग करने के बजाय हम इन्हें हल्के में ले रहे हैं। साथ ही हम अधिक वर्षा वाले वर्षों के दौरान भूजल प्रणालियों को फिर से भरने की कोशिश नहीं कर रहे हैं और ऐसा नहीं करके मीठे पानी का बड़ा संकट उत्पन्न कर रहे हैं। ईरान इस समय भीषण जल संकट का सामना कर रहा है। राजधानी तेहरान में हालत इतनी खराब है कि ईरानी राष्ट्रपति को कहना पड़ रहा है कि यदि हालात नहीं सुधरे तो शहर वासियों को कहीं और ले जाना पड़ेगा। ईरान में पानी की कमी की जड़ें दुनिया के कई दूसरे हिस्सों जैसी ही हैं। इसके लिए जो कारण जिम्मेदार हैं उनमें दशकों तक जरूरत से ज्यादा पानी निकालना, पुराना, लीक होता इन्फ्रास्ट्रक्चर; नदियों पर बने बांधों की बढ़ती संख्या और कुप्रबंधन शामिल है। इन सबके बीच जलवायु परिवर्तन का असर भी है, जिससे मौसम ज्यादा गर्म और शुष्क हो रहा है। इस वजह से साल-दर-साल सूखे हुए जलाशय भर नहीं पा रहे हैं। ईरान का भयंकर सूखा पूरी दुनिया के लिए एक बड़ी चेतावनी है। दुनिया में ताजा पानी खतरनाक दर से लुप्त हो रहा है। दो दशकों से अधिक समय तक उपग्रहों से किए गए अध्ययन से पता चलता है कि जलवायु परिवर्तन, भूजल के असंतुलित उपयोग और अत्यधिक सूखे के कारण 2002 से पृथ्वी के महाद्वीपों में ताजे पानी की अभूतपूर्व कमी हो गई है। अमेरिका की एरिजोना स्टेट यूनिवर्सिटी द्वारा किए गए नए अध्ययन में कहा गया है कि उत्तरी गोलार्ध में महाद्वीप स्तर के चार बड़े शुष्क क्षेत्र उभर रहे हैं। इनमें उत्तर-पश्चिम भारत के क्षेत्र शामिल हैं। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि इन विशाल शुष्क क्षेत्रों का जल सुरक्षा, कृषि, समुद्र के स्तर और वैश्विक स्थिरता पर बुरा असर पड़ सकता है। शोध दल की रिपोर्ट के अनुसार भूमि पर शुष्क क्षेत्र हर साल कैलिफोर्निया के

आकार से लगभग दोगुनी दर से बढ़ रहे हैं। चिंता की बात यह है कि शुष्क क्षेत्रों के अधिक शुष्क होने की दर आर्द्र क्षेत्रों के अधिक आर्द्र होने की दर से ज्यादा हो गई है, जिससे लंबे समय से चला आ रहा जल चक्र उलटने लगा है। उपलब्ध स्वच्छ जल पर इसके नकारात्मक प्रभाव चौंकाने वाले हैं। दुनिया की 75 प्रतिशत आबादी उन 101 देशों में रहती है जो पिछले 22 वर्षों से स्वच्छ जल की कमी झेल रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार अगले 50 से 60 वर्षों तक दुनिया की आबादी में वृद्धि जारी रहेगी। दूसरी तरफ स्वच्छ जल की उपलब्धता में भी लगातार कमी आने का खतरा है। शोधकर्ताओं ने पता लगाया है कि भूमि पर जल हानि किस प्रकार से हो रही है। उन्होंने पहली बार पाया कि जल हानि में 68 प्रतिशत हिस्सा भूजल का है जो समुद्र के स्तर में वृद्धि में ग्रीनलैंड और अंटार्कटिका की बर्फ की चादरों के संयुक्त योगदान से भी अधिक योगदान देता है। अध्ययन से जुड़े प्रमुख वैज्ञानिक जे. फैमिग्लिएटी ने कहा, ये निष्कर्ष हमारे जल संसाधनों पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के बारे में शायद अब तक का सबसे खतरनाक संदेश देते हैं। महाद्वीप सूख रहे हैं, स्वच्छ जल की उपलब्धता कम हो रही है और समुद्र का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। भूजल के निरंतर अति-उपयोग के परिणाम दुनिया भर के अरबों लोगों के लिए भोजन का संकट पैदा कर सकते हैं और जल सुरक्षा को कमजोर कर सकते हैं। इस स्थिति से निपटने के लिए सभी को एकजुट होकर वैश्विक जल सुरक्षा पर तत्काल कार्रवाई करनी होगी। शोधकर्ताओं ने अमेरिकी-जर्मन ग्रेविटी रिकवरी एंड क्लाइमेट एक्सपेरिमेंट (ग्रेस) और ग्रेस-फॉलोऑन मिशनों के दो दशकों से अधिक के आंकड़ों का मूल्यांकन किया और यह देखा कि 2002 के बाद से स्थलीय जल भंडारण कैसे और क्यों बदला है। स्थलीय जल भंडारण में पृथ्वी की सतह और वनस्पति जल, मिट्टी की नमी, बर्फ, हिम और भूमि पर संग्रहीत भूजल शामिल हैं। अध्ययन के प्रमुख लेखक और एरिजोना यूनिवर्सिटी के शोध वैज्ञानिक ऋषिकेश ए. चंदनपुरकर ने कहा, यह आश्चर्यजनक है कि हम बड़े पैमाने पर ऐसा जल खो रहे हैं जिसका नवीकरण नहीं किया जा सकता। ग्लेशियर और भूजल एक तरह से प्राचीन ट्रस्ट फंड हैं। सूखे जैसी जरूरत के समय ही इनका उपयोग करने के बजाय हम इन्हें हल्के में ले रहे हैं। साथ ही हम अधिक वर्षा वाले वर्षों के दौरान भूजल प्रणालियों को फिर से भरने की कोशिश नहीं कर रहे हैं और ऐसा नहीं करके मीठे पानी का बड़ा संकट उत्पन्न कर रहे हैं। अध्ययन ने 2014-15 के आसपास, 'महा अल-नीनो' वर्षों के दौरान एक ऐसे समय की पहचान की है जब जलवायु की चरम घटनाओं में वृद्धि होने लगी जिनके परिणामस्वरूप भूजल का उपयोग बढ़ गया और महाद्वीपीय शुष्कता ग्लेशियर और बर्फ की चादरों के पिघलने की दर से भी अधिक हो गई। इसके अतिरिक्त अध्ययन ने एक और उतार-चढ़ाव का खुलासा किया, जहां 2014 के बाद सूखने वाले क्षेत्र दक्षिणी गोलार्ध से ज्यादातर उत्तरी गोलार्ध में स्थित हो गए। महाद्वीपीय सूखापन में योगदान देने वाले प्रमुख कारकों में से एक उत्तरी गोलार्ध के मध्य अक्षांश वाले क्षेत्रों, उदाहरण के लिए, यूरोप में सूखे की बढ़ती चरम सीमाएं हैं। इसके अतिरिक्त कनाडा और रूस में पिछले दशक में बर्फ, हिम और स्थायी तुषार भूमि (पर्माफ्रॉस्ट) के पिघलने में वृद्धि हुई है। पिछले एक अध्ययन में टीम के सदस्यों ने 2002 से 2016 तक के उपग्रह डेटा से स्थलीय जल भंडारण का अध्ययन किया था। नए अध्ययन में टीम ने 20 से अधिक वर्षों के डेटा का अध्ययन किया। शोधकर्ता चंदनपुरकर के अनुसार यह अध्ययन वास्तव में यह दर्शाता है कि स्थलीय जल भंडारण का निरंतर अवलोकन कितना महत्वपूर्ण है। ग्रेस एक्सपेरिमेंट के रिकॉर्ड वास्तव में उस स्तर पर पहुंच रहे हैं जहां हम जलवायु परिवर्तनशीलता के दीर्घकालिक रुझानों को स्पष्ट रूप से देख पा रहे हैं। अधिक स्थानीय अवलोकन और डेटा साझा करने से बेहतर जल प्रबंधन में मदद मिलेगी। इस अध्ययन से स्पष्ट है कि महाद्वीपीय शुष्कता का अभूतपूर्व स्तर कृषि और खाद्य सुरक्षा, जैव विविधता, मीठे पानी की आपूर्ति और वैश्विक स्थिरता के लिए खतरा है।

जीवन मंत्र

सीखते रहो, आगे बढ़ते रहो

आत्मविश्वास से भरा व्यक्ति कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी आगे बढ़ने का साहस रखता है। "सीखते रहो, आगे बढ़ते रहो" का महत्व व्यक्तिगत जीवन के साथ-साथ सामाजिक और राष्ट्रीय स्तर पर भी है। एक शिक्षित और सीखने के लिए उत्सुक समाज ही प्रगति की राह पर आगे बढ़ सकता है।

मानव जीवन निरंतर परिवर्तन और विकास की यात्रा है। इस यात्रा में जो व्यक्ति सीखना छोड़ देता है, उसका विकास रुक जाता है। "सीखते रहो, आगे बढ़ते रहो" केवल एक प्रेरक वाक्य नहीं, बल्कि जीवन को सार्थक और सफल बनाने का मूल मंत्र है। सीखने की प्रक्रिया जीवन भर चलती रहती है और यही हमें आगे बढ़ने, नई राहें तलाशने और चुनौतियों का सामना करने की शक्ति देती है। सीखना केवल पुस्तकों या विद्यालय की चारदीवारी तक सीमित नहीं है। जीवन का प्रत्येक अनुभव हमें कुछ न कुछ सिखाता है। सफलता हमें आत्मविश्वास देती है, जबकि असफलता हमें सुधार का अवसर प्रदान करती है। जो व्यक्ति अपनी गलतियों से सीख लेता है, वही वास्तव में आगे बढ़ता है। इतिहास साक्षी है कि महान व्यक्तित्व वही बने, जिन्होंने निरंतर सीखने की आदत को अपनाया और कभी भी ज्ञान के द्वार बंद नहीं किए। आज का युग ज्ञान और तकनीक का युग है। प्रतिदिन नई खोजें हो रही हैं, नई तकनीकें विकसित हो रही हैं और कार्य करने के तरीके बदल रहे हैं। ऐसे समय में यदि हम स्वयं को अपडेट नहीं करेंगे, तो पीछे छूट जाना निश्चित है। निरंतर सीखने से न केवल हमारी योग्यता बढ़ती है, बल्कि हम आत्मनिर्भर और प्रतिस्पर्धी भी बनते हैं। यही कारण है कि आज 'लाइफ लॉन्ग लर्निंग' यानी जीवन भर सीखने की अवधारणा पर विशेष बल दिया जा रहा है। सीखने का सीधा संबंध आगे बढ़ने से है। जब हम नया सीखते हैं, तो हमारे विचारों का दायरा विस्तृत होता है। हमें समस्याओं को देखने और सुलझाने के नए दृष्टिकोण मिलते हैं। इससे हमारे भीतर

आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच का विकास होता है। जब नागरिक अपने ज्ञान और कौशल का विकास करते हैं, तो देश की अर्थव्यवस्था, विज्ञान, तकनीक और संस्कृति भी सशक्त होती है। इस प्रकार निरंतर सीखना केवल व्यक्तिगत लाभ तक सीमित नहीं रहता, बल्कि समाज और राष्ट्र के विकास में भी योगदान देता है। आज के युवाओं के लिए यह मंत्र विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। प्रतियोगिता के इस दौर में वही युवा सफल हो सकता है, जो सीखने के प्रति जिज्ञासु हो और स्वयं को समय के अनुसार ढाल सके। केवल डिग्री प्राप्त कर लेना पर्याप्त नहीं है, बल्कि नई-नई क्षमताओं का विकास करना भी आवश्यक है।

शख्सियत — ऋतु रानी

भारतीय महिला हॉकी की संघर्षशील कप्तान

ऋतु रानी (जन्मः 29 दिसंबर 1991, हरियाणा) भारतीय महिला फील्ड हॉकी के इतिहास में एक सशक्त, अनुशासित और प्रेरणादायक नाम हैं। उन्होंने न केवल लंबे समय तक भारतीय महिला राष्ट्रीय हॉकी टीम का प्रतिनिधित्व किया, बल्कि कप्तान के रूप में टीम को नई पहचान और आत्मविश्वास भी दिया।

हाफबैक के रूप में खेलते हुए ऋतु रानी ने खेल की गति, संतुलन और रणनीति में अहम भूमिका निभाई। ऋतु रानी का जन्म हरियाणा में हुआ। उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा शाहबाद मार्कंडा स्थित श्री गुरु नानक देव सीनियर हायर सेकेंडरी स्कूल से पूरी की। बहुत कम उम्र में ही उनका झुकाव हॉकी की ओर हो गया और मात्र 9 वर्ष की आयु में उन्होंने हॉकी खेलना शुरू कर दिया। उन्होंने शाहबाद हॉकी अकादमी में कड़ा प्रशिक्षण लिया, जो देश की प्रसिद्ध हॉकी नर्सरी मानी जाती है। यहीं से उनके खेल को सही दिशा और मजबूती मिली। उनका अंतरराष्ट्रीय करियर बेहद कम उम्र में शुरू हो गया। वर्ष 2006 में, जब उनकी उम्र केवल 14 वर्ष थी, तब उन्होंने दोहा में आयोजित एशियाई खेलों में भारतीय सीनियर टीम के लिए पदार्पण किया। उसी वर्ष वे मैड्रिड में हुए हॉकी विश्व कप में भी भारतीय टीम का हिस्सा बनीं और टीम की सबसे युवा खिलाड़ी रहीं। यह उपलब्धि अपने आप में उनकी प्रतिभा और मेहनत का प्रमाण थी। ऋतु रानी के करियर का एक अहम पड़ाव वर्ष 2009 रहा, जब रूस के कज़ान में आयोजित चैंपियंस चैलेंज-II टूर्नामेंट में भारत ने खिताब जीता। इस प्रतियोगिता में ऋतु रानी ने आठ गोल दागकर शीर्ष स्कोरर का स्थान हासिल किया और अपनी आक्रामक व रचनात्मक खेल शैली से सबका ध्यान आकर्षित किया। वर्ष 2011 में उन्हें भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तानी सौंपी गई, जो उनके करियर का सबसे महत्वपूर्ण दायित्व था। कप्तान के रूप में ऋतु रानी ने टीम को कई यादगार सफलताएँ दिलाईं। उनकी अगुवाई में भारत ने 2013 एशिया कप और 2014 एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीता। हालांकि उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि 2014–15 एफआईएच महिला हॉकी विश्व लीग रही, जब भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में पांचवां स्थान हासिल कर 36 वर्षों बाद ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया। यह सफलता भारतीय महिला हॉकी के लिए ऐतिहासिक मानी जाती है और इसका श्रेय काफी हद तक ऋतु रानी के नेतृत्व को जाता है। खेल के साथ-साथ उन्होंने नौकरी और जिम्मेदारियों का भी संतुलन बनाए रखा। पहले वे भारतीय रेलवे में कार्यरत थीं, बाद में उन्होंने हरियाणा पुलिस में सेवा ग्रहण की। उनके अनुशासन, समर्पण और नेतृत्व क्षमता ने उन्हें खिलाड़ियों के साथ-साथ युवाओं के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बना दिया। ऋतु रानी को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए वर्ष 2016 में प्रतिष्ठित अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

जीवन ऊर्जा

राजेश खन्ना : जन्म 29 दिसंबर 1942 — जन्म

सिनेमा और जीवन दर्शन का सुपरस्टार

राजेश खन्ना हिंदी फिल्म अभिनेता, निर्माता और एक राजनेता थे, उनका जन्म 29 दिसंबर 1942 में हुआ था। उन्हें 'हिंदी सिनेमा का पहला सुपरस्टार' कहा जाता है। उन्होंने 1969 और 1971 के बीच रिकॉर्ड 15 सोलो हीरो सफल फिल्मों में लगातार अभिनय किया।

1970 और 1980 के दशक में वे हिंदी सिनेमा में सबसे ज्यादा कमाई करने वाले अभिनेता थे। फिल्मों में बेहतरीन कार्य के लिए उन्हें चार बीएफजेए पुरस्कार और पांच फिल्मफेयर पुरस्कार प्राप्त हुआ और 2013 में मरणोपरांत पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था। दगी बड़ी होनी चाहिए, लंबी नहीं। लोग जिंदगी का सबसे छोटा, सबसे कीमती लब्ज़ भूल गए हैं, प्यार। जिसमें इंसान की भलाई हो वो काम कभी बुरा नहीं होता। इस दुनिया में जब तक भलाई रुपए और पैसे से न तौली जाए, वो भलाई नहीं कहलाती। मौत तो एक पल है। जिसका दिल गम की तन्हाइयों में उजाड़ गया हो, वो बाहर से कितना ही सेहतमंद लगता हो, लेकिन अंदर से तो बीमार ही रहता है। खुश रहना कितना सरल है, लेकिन सरल होना इतना कठिन है। कब, कौन, कैसे उठेगा, ये कोई नहीं बता सकता है। हम आने वाले गम को खींच तान कर आज की खुशी पर ले आते हैं, और उस खुशी में जहर घोल देते हैं। किसी बड़ी खुशी के इंतजार में, हम छोटी-छोटी खुशियों के मौके खो देते हैं।

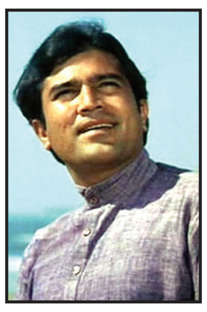

अक्ल से सिर्फ नक्शे बन सकते हैं, इमारतें नहीं। एक छोटा सा ज़ख़्म बहुत गहरा दाग बन सकता है। आदमी जितना शरीफ होता है, उतना ही शैतान भी बन सकता है। बारिश की बूंदों से डरने वाले तूफान का मुकाबला नहीं कर सकते। मैं मरने से पहले मरना नहीं चाहता। जिंदगी का कोई भी रास्ता एक दम सीधा तो नहीं होता है, कहीं ना कहीं मोड़ तो जरूर आता है। इस दुनिया में दो टांग वाला जानवर सबसे खतरनाक जानवर है। इंसान बदल जाते हैं, इंसानों के नाम नहीं बदलते। जियो तो सबके लिए, मरो तो सबके लिए। बड़ा आदमी, तो वो होता है जो दूसरों को छोटा नहीं समझता। अगर भूलने से रिश्ते नाते टूट सकते हैं, तो इस दुनिया में ना प्यार होता, न नफ़रत होती और न दर्द होता। किसी-किसी दुख के पीछे, एक बड़ा सुख छुपा होता है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

धर्म-अधर्म का विवेकपूर्ण और परिस्थितिसापेक्ष स्वरूप

धर्म और अधर्म को सामान्यतः हम कठोर नियमों की तरह देखते हैं, किंतु भारतीय दर्शन में यह अवधारणा अत्यंत सूक्ष्म, विवेकपूर्ण और परिस्थितिनिष्ठ है। धर्म केवल कर्म का बाह्य स्वरूप नहीं, बल्कि उसके पीछे निहित उद्देश्य, भावना और परिणाम से जुड़ा होता है। इसी कारण किसी विशेष परिस्थिति में किया गया अधर्म भी धर्म के समान माना जा सकता है और कभी-कभी बाहरी रूप से धर्म प्रतीत होने वाला कर्म अधर्म बन जाता है।

झूठ बोलना सामान्य रूप से अधर्म कहा गया है, क्योंकि यह विश्वास और सत्य को नष्ट करता है। किंतु यदि झूठ बोलने से किसी निर्दोष प्राणी का जीवन बचता है, किसी बच्चे या निर्बल की रक्षा होती है, तो वही झूठ धर्म का रूप धारण कर लेता है। इसके विपरीत सत्य बोलना धर्म है, परंतु यदि सत्य के कारण किसी धार्मिक, निर्दोष और निःशस्त्र व्यक्ति का जीवन संकट में पड़ जाए, तो वह सत्य अधर्म बन जाता है। इससे स्पष्ट होता है कि धर्म का मूल्यांकन केवल कथन से नहीं, बल्कि उसके प्रभाव से किया जाना चाहिए।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

चोरी करना अधर्म है, पर यदि चोरी किसी कुटुंब, समाज या राष्ट्र की सुरक्षा के लिए की जाए, और उसका उद्देश्य स्वार्थ नहीं बल्कि व्यापक कल्याण हो, तो वही कर्म धर्म कहलाता है। इसी प्रकार जीव-हत्या को अधर्म कहा गया है, किंतु यदि एक जीव की हत्या से अनेक निर्दोष प्राणियों की रक्षा संभव हो, तो वह कर्म करुणा और संतुलन के कारण धर्म बन जाता है। दान देना धर्म है, लेकिन दान यदि पापियों, अत्याचारियों या अधर्मी शक्तियों को दिया जाए, जिससे वे और अधिक विनाश फैलाएँ, तो ऐसा दान अधर्म बन जाता है। इसी तरह हिंसा और हत्या को अधर्म माना गया है, किंतु बच्चों, महिलाओं, अपने कुल-कुटुंब, राष्ट्र और धर्म की रक्षा के लिए की गई हिंसा, यदि अंतिम विकल्प हो, तो वह मर्यादा-रक्षा का धर्म बन जाती है।

"पृथ्वी कुटुंब के समान है" यह

एक महान धर्मवाक्य है, परंतु यदि पृथ्वी के संतुलन के लिए कोई कुटुंब या समूह निरंतर विनाशकारी बन जाए, तो उस विनाशकारी तत्व का अंत करना भी धर्म माना जाएगा। विष पिलाना और मादक पदार्थों का सेवन अधर्म है, किंतु यदि विष या मादक पदार्थों के प्रयोग से किसी निर्दोष प्राणी की रक्षा होती है, तो उसका उद्देश्य धर्ममय हो जाता है। वास्तव में धर्म का अर्थ है प्राणियों और प्रकृति के मध्य संतुलन बनाए रखने वाले नियमों का पालन। अधर्म तब धर्म का रूप धारण करता है, जब उसका उद्देश्य दया, क्षमा, समता, अहिंसा और प्राणियों का कल्याण हो। जहाँ धर्म है, वहीं जय है।

नशा और जुआ दोनों मतिमार हैं, ये मनुष्य की विवेक शक्ति को नष्ट कर देते हैं। अभोज्य और अशुद्ध भोजन का सेवन करने से आध्यात्मिक शक्ति क्षीण होती है। इसलिए आवश्यक है कि मनुष्य धर्म और अधर्म में अंतर अपनी विवेक शक्ति से करे और धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन करे। इनके अध्ययन से मानसिक और आत्मिक शांति प्राप्त होती है तथा जीवन के क्लेश दूर होते हैं।

अपने विचार

कांग्रेस पूरी तरह एकजुट है और नेहरू-गांधी परिवार ऐसा परिवार है, जिसने देश के लिए दो शहादतें दी हैं। नेहरू-गांधी परिवार के भीतर मतभेद दिखाने की भाजपा की कोशिशों की मैं कड़ी निंदा करता हूं

-दिग्विजय सिंह
कांग्रेस सांसद

सरकार ने जेनेरिक दवाओं को सस्ता बनाया, कई दवाओं से जीएसटी हटाया और मेडिकल सीटों की संख्या बढ़ाई है। एम्स का विस्तार किया जा रहा है और आने वाले समय में एम्स के जरिये टेलीमेडिसिन और वीडियो के माध्यम से प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों को मार्गदर्शन देने का कार्यक्रम शुरू किया जाएगा।

-अमित शाह
केंद्रीय गृह मंत्री

आरएसएस एक दूसरों के खिलाफ नफरत फैलाता है। क्या आप अल-कायदा से कुछ सीख सकते हैं? इससे सीखने के बजाय अच्छे लोगों से सीखना चाहिए।

-मणिकम टैगोर
कांग्रेस सांसद

कांग्रेस ने पहले हिंदू, सनातन धर्म, सेना और भारत का अपमान किया और अब राष्ट्रीय सेवा में सैकड़ों साल काम करने वाली संस्था को भी आतंकवादी कहकर निशाना बना रही है।

-शहजाद पूनावाला
भाजपा प्रवक्ता

अपने विचार
डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com **कार्यकारी संपादक :** अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज्मिेदार).

ब्रीफ न्यूज़

जेसीबी मशीन की चपेट में आने से महिला की मौत, चालक गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई में एक जेसीबी मशीन से कुचलकर महिला की मौत के मामले में 40-वर्षीय एक चालक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।उन्होंने बताया कि घटना शुक्रवार रात बांद्रा इलाके के चिम्बई ग्राउंड में हुई। मृतक महिला की पहचान अभी नहीं हो पाई है। अधिकारी के अनुसार, महिला पास में ही सो रही थी, तभी सलीम नूर खान ने जेसीबी मशीन पीछे करते वक्त उसे कुचल दिया। महिला को तुरंत पास के एक अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बांद्रा पुलिस थाने के अधिकारी ने बताया कि खान को गिरफ्तार कर लिया गया है और मामले की जांच जारी है।

'इंट्रोडक्शन' के नाम पर रैगिंग, आयुर्वेद महाविद्यालय की 19 छात्राएं निष्कासित

नागपुर। शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय के छात्रावास में 'इंट्रोडक्शन' के नाम पर जूनियर छात्राओं के मानसिक और शारीरिक उत्पीड़न का मामला सामने आया है। रैगिंग विरोधी समिति के संज्ञान में आते ही प्रशासन ने 19 वरिष्ठ छात्राओं को तीन माह के लिए छात्रावास से निष्कासित कर दिया। साथ ही चेतावनी दी गई है कि भविष्य में पुनरावृत्ति होने पर इन्हें महाविद्यालय से बर्खास्त किया जा सकता है।पिछले लगभग 20 दिनों से छात्रावास में रैगिंग की घटनाएं हो रही थीं। शिकायत के अनुसार, रात के समय जब सुरक्षा कर्मचारी मौजूद नहीं रहते थे, नई छात्राओं को 'इंट्रोडक्शन' के बहाने शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना दी जाती थी। गुमनाम शिकायत के बाद प्रशासन ने तुरंत जांच शुरू की। महाविद्यालय ने नाइट पेट्रोलिंग शुरू कर दी है और रैगिंग से प्रभावित छात्राओं के लिए परामर्श सत्र आयोजित किए जाएंगे। अधिष्ठाता डॉ. राजेंद्र सानेकर ने कहा कि कॉलेज परिसर में किसी भी प्रकार के अमानवीय व्यवहार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दोषी पाई गई 19 छात्राओं को निष्कासित कर कठोर कार्रवाई का संदेश दिया गया है।

कांग्रेस स्थापना दिवस पर 'मिशन 100' का ऐलान, NMC से भ्रष्ट भाजपा को उखाड़ फेंकने का संकल्प

नागपुर। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के स्थापना दिवस पर नागपुर में पार्टी कार्यकर्ताओं ने आगामी नागपुर महानगरपालिका (NMC) चुनाव के लिए 'मिशन 100' का नारा दिया। इस अवसर पर भाजपा को भ्रष्ट और नागरिक-विरोधी बताते हुए कांग्रेस ने उसे सत्ता से उखाड़ फेंकने का संकल्प व्यक्त किया।देवडिया कांग्रेस भवन में आयोजित कार्यक्रम में महासचिव विजय गायकी के नेतृत्व में 152 लोगों के कांग्रेस में प्रवेश की घोषणा की गई, जिससे संगठन को नई ऊर्जा मिली। इस कार्यक्रम में पार्टी ने आगामी मनपा चुनाव की रणनीति को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया।शहर कांग्रेस अध्यक्ष एवं पश्चिम नागपुर के विधायक विकास ठाकरे ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं को व्यक्तिगत मतभेद भुलाकर संगठित रूप से काम करना चाहिए। उन्होंने आह्वान किया कि 'मिशन 100' को सफल बनाकर नागपुर महानगरपालिका में कांग्रेस की सत्ता स्थापित की जाए। ठाकरे ने कहा कि पिछले 15 वर्षों में भाजपा के असफल और भ्रष्ट शासन के कारण नागपुर के नागरिकों को बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। उनका कहना था कि नागपुरकरों की समस्याओं का स्थायी समाधान केवल कांग्रेस के पास है।कार्यक्रम की शुरुआत ध्वज वंदन से हुई और कांग्रेस के गौरवशाली इतिहास को नमन किया गया। विधायक अभिजीत वंजारी, अतुल कोटेचा, उमाकांत अग्निहोत्री, प्रशांत धवड, संजय महाकालकर, गिरीश पांडव सहित अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे। ठाकरे ने कहा कि मनपा की सीटें सीमित हैं, जबकि उम्मीदवार इच्छुक कार्यकर्ताओं की संख्या हजार से अधिक है। उन्होंने अपील की कि सभी कार्यकर्ता मन का बड़प्पन दिखाते हुए जिन उम्मीदवारों को कांग्रेस ने टिकट दिया है, उनकी जीत के लिए एकजुट होकर काम करें।

कलियुग में तंत्र विद्या क्यों आवश्यक है?

▶▶ शास्त्र, मनोविज्ञान और आधुनिक जीवन के संदर्भ में

आज का जीवन तेज़ है, प्रतिस्पर्धी है और मानसिक दबाव से भरा हुआ है। सुविधाएँ बढ़ी हैं, लेकिन मन की शांति घटती जा रही है। ऐसे समय में भारतीय शास्त्र जिस विद्या को विशेष रूप से उपयोगी बताते हैं, वह है-तंत्र विद्या। दुर्भाग्यवश, आधुनिक समाज में तंत्र को अक्सर केवल भय, अंधविश्वास या टोना-टोटका से जोड़ दिया जाता है, जबकि शास्त्रों में तंत्र का मूल उद्देश्य ऊर्जा-संतुलन, आत्मबल का विकास और चेतना का जागरण बताया गया है।

कलियुग का स्वभाव: अस्थिर मन और क्षीण प्राण-शक्ति

भागवत पुराण के अनुसार कलियुग में मनुष्य का मन चंचल, भयग्रस्त और भ्रमित हो जाता है। इच्छाएं बढ़ जाती हैं, धैर्य कम हो जाता है, और तनाव, अवसाद तथा मानसिक असंतुलन सामान्य हो जाते हैं।इसका सीधा प्रभाव पड़ता है प्राण-शक्ति (मानसिक व सूक्ष्म ऊर्जा) पर। तंत्र विद्या का मूल उद्देश्य ही है — प्राण-शक्ति को संतुलित करना, मन को स्थिर करना और व्यक्ति को आंतरिक रूप से सशक्त बनाना। इसी कारण शास्त्रों में कहा गया है कि कलियुग में तंत्र विशेष रूप से प्रभावी है।

लेखिका
साध्वी जी "हीं" — चिंतना श्री जी

कौलज्ञान निरयण में कहा गया है कि—

जब समय अल्प हो, बाधाएँ अधिक हों और मन दुर्बल हो, तब द्रुत-फल देने वाली साधना ही उपयुक्त होती है। नकारात्मक प्रभावों से रक्षा का विज्ञान। देवी भागवत, रुद्रयामल तंत्र और कुलार्णव तंत्र बताते हैं कि कलियुग में भय, ईर्ष्या, क्रोध, लोभ और मानसिक असंतुलन अत्यधिक प्रभाव डालते हैं। तंत्र विद्या का एक महत्वपूर्ण पक्ष है — सूक्ष्म स्तर पर ऊर्जा-रक्षा इसे शास्त्रों में तांत्रिक कवच कहा गया है, जो—मानसिक अवसाद, नकारात्मक प्रभाव,ग्रह-बाधा और ऊर्जा-क्षय से रक्षा करता है।

शास्त्रों का स्पष्ट संकेत

कालिका पुराण और तंत्रसार में स्पष्ट कहा गया है— "कलौ तन्त्रेण देवता प्रीणयन्ति।" अर्थात् कलियुग में देवता तंत्र-उपासना से शीघ्र प्रसन्न होते हैं। इसका कारण भी शास्त्र ही बताते हैं। आज के समय में अधिकांश लोगों के लिएदीर्घ यज्ञ, कठोर तप, वनवास या विस्तृत कर्मकांड व्यावहारिक नहीं रह गए हैं। तंत्र उपासना सीधे मन, नाड़ियों और चक्रों पर कार्य करती है, इसलिए कम समय में प्रभाव देती है।

शक्ति जागरण : कलियुग की सबसे बड़ी आवश्यकता

शिव संहिता और शक्ति रहस्य के अनुसार कलियुग में मनुष्य की आंतरिक शक्ति सुप्त अवस्था में रहती है। इस शक्ति के जागरण के बिना व्यक्ति भय, भ्रम और अस्थिरता में फँसा रहता है।

श्वेत तंत्र (सात्त्विक मार्ग)

- भक्ति, ध्यान, मंत्र-जप, यंत्र-साधना और आत्मिक उन्नति पर आधारित।

कृष्ण तंत्र (तामसिक मार्ग)

- विशेष और गूढ़ कर्मकांडों से जुड़ा मार्ग, जो सामान्य जन के लिए नहीं है।

तंत्र साधना

मूलाधार से सहस्रार तक ऊर्जा को जाग्रत करती है।आत्मबल और स्पष्टता प्रदान करती है और मानसिक स्थिरता लाती है। इसी कारण आज के तनावपूर्ण जीवन में तंत्र-योग को अत्यंत व्यावहारिक मार्ग माना गया है।

तंत्र विद्या का वास्तविक उद्देश्य

तंत्र का लक्ष्य केवल चमत्कार या सिद्धियाँ नहीं हैं, बल्कि आत्म-शुद्धि,शक्ति-जागरण और ब्रह्म-तत्त्व की अनुभूति है। शास्त्रों में इसके दो प्रमुख मार्ग बताए गए हैं।

तंत्र साधना में प्रयुक्त प्रमुख साधन

तंत्र विद्या में पांच महाभूत

- जल, अग्नि, वायु, पृथ्वी और आकाश – का संतुलित उपयोग होता है। साथ ही प्रयोग होते हैं—मंत्र और यंत्र, रुद्राक्ष, धूप-औषधियां विशिष्ट पुष्प और विशेष तिथियां।अमावस्या, पूर्णिमा, अष्टमी और मध्यरात्रि को तंत्र साधना के लिए विशेष माना गया है।
- आवश्यक नियम और सावधानियां शास्त्र स्पष्ट चेतावनी देते हैं— गुरु-दीक्षा के बिना साधना अधूरी है। मंत्र-उच्चारण में शुद्धता अनिवार्य है। साधक को भय, क्रोध और लोभ से दूर रहना चाहिए अनुचित मार्गदर्शन में तंत्र साधना हानिकारक हो सकती है, इसलिए इसका उद्देश्य लोक-कल्याण और आत्मिक उन्नति ही होना चाहिए।
- भगवद्गीता (9.1) में श्रीकृष्ण कहते हैं— "राजविद्या राजगुह्यं पवित्रमिदमुत्तमम्।" अर्थात् – यह ज्ञान श्रेष्ठ, पवित्र और गूढ़ है, जो अंततः मोक्ष की ओर ले जाता है। कलियुग में तंत्र विद्या कोई भयावह रहस्य नहीं, बल्कि मन, ऊर्जा और चेतना का वैज्ञानिक संतुलन है। यदि इसे
- सही गुरु, शुद्ध उद्देश्य और अनुशासित साधना के साथ अपनाया जाए, तो यह जीवन को स्थिरता, साहस और स्पष्ट दिशा प्रदान कर सकती है।

सुरक्षित पतंगबाजी के लिए नासिक जिलाधिकारी की अपील

डीबीडी संवाददाता | नासिक

मकर संक्रांति के अवसर पर नासिक जिले में सुरक्षित पतंगबाजी सुनिश्चित करने के लिए जिलाधिकारी आयुष प्रसाद ने नागरिकों, विशेषकर छात्रों से अपील की है। उन्होंने पत्र लिखकर मकर संक्रांति की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि त्योहार का आनंद तभी है, जब यह किसी के लिए जानलेवा साबित न हो।

जानलेवा मांझा और ऊंचाई से गिरने का खतरा

जिलाधिकारी ने चेतावनी दी कि नायलॉन मांझे से गंभीर दुर्घटनाएं होती हैं। इससे दुपहिया वाहन चालकों और आम नागरिकों को गंभीर चोटें लग सकती हैं। साथ ही, ऊंची छतों से गिरकर घायल होने की घटनाओं पर भी प्रशासन ने विशेष चिंता जताई।

बेजुबान पक्षियों पर संकट

नायलॉन मांझा पेड़ों में फंसकर पक्षियों के पंख और पैरों को नुकसान पहुंचाता है, जो अक्सर उनकी मृत्यु का कारण बनता है। जिलाधिकारी ने कहा कि नायलॉन मांझे से होने वाले नुकसान को रोकना हमारी सामाजिक जिम्मेदारी है।

सुरक्षित पतंगबाजी के लिए दिशा-निर्देश

जिलाधिकारी ने नागरिकों से अपील की है कि नायलॉन मांझे का उपयोग न करें, पतंग उड़ाने के लिए भीड़भाड़ वाले इलाकों और मुख्य सड़कों से दूर रहें, पेड़ों और बिजली के तारों के पास पतंग न उड़ाएं और आंखों की सुरक्षा के लिए चश्मे (गॉगल) पहनें।

पर्यावरण और पक्षियों की सुरक्षा पर जोर

पतंग उत्सव के बाद बचे हुए मांझे या टुकड़ों का सुरक्षित निपटान करें। जिलाधिकारी आयुष प्रसाद ने नासिकवासियों से अनुरोध किया कि त्योहार की मिठास के साथ-साथ सामाजिक और पर्यावरणीय जिम्मेदारी निभाना भी जरूरी।

सायन-पनवेल महामार्ग और एमआईडीसी साऊथ सेंट्रल रोड पर डीप क्लीनिंग ड्राइव

डीबीडी संवाददाता | नवी मुंबई

वायु गुणवत्ता सुधारने के लिए मुंबई में विभिन्न क्षेत्रों में ठोस उपाययोजना शुरू की गई है। नमुंमपा आयुक्त डॉ. कैलास शिंदे के निर्देशानुसार, सायन-पनवेल महामार्ग, एमआयडीसी साऊथ सेंट्रल रोड और शहर के अंतर्गत मुख्य रास्तों तथा फुटपाथों की मिट्टी और कचरा साफ कर, पानी से धुलाई करने की सखोल स्वच्छता अभियान प्रभावी रूप से चलाया जा रहा है।

अभियंता और स्वच्छता अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी

स्वच्छता अधिकारियों के साथ-साथ अभियांत्रिकी विभाग के अभियंते भी प्रत्यक्ष क्षेत्रीय स्तर पर मोहीम में शामिल हैं। आज रविवार को भी सायन-पनवेल महामार्ग और एमआयडीसी क्षेत्र में सखोल सफाई की गई। शहर अभियंता श्री. शिरीष आरदवाड के नियंत्रण में यांत्रिक पद्धति और मानव बल का इस्तेमाल करते हुए वाशी से बेलापूर तक मार्ग की स्वच्छता सुनिश्चित की गई।

दोतरफा स्वच्छता अभियान

सायन-पनवेल महामार्ग के दूसरी तरफ बेलापूर से वाशी तक भी उड्डाणपूलों सहित सफाई की गई। इसमें 250 से अधिक स्वच्छताकर्मी शामिल थे। अतिरिक्त आयुक्त सुनिल पवार के नेतृत्व में उपआयुक्त डॉ. अजय गडदे और अन्य विभागीय अधिकारी इस अभियान में सक्रिय थे। अभियांत्रिकी विभाग की टीम ने एमआयडीसी साऊथ सेंट्रल रोड पर भी यांत्रिक और मानव बल का उपयोग कर गहन सफाई की।

आधुनिक उपकरणों से धूल कम करने पर जोर

सड़कों की किनारे की मिट्टी ब्रश, स्विपिंग मशीन और फिल्पर मशीन से साफ कर उठाई गई। रस्तों की धुलाई प्रक्रियाकृत पानी और जेटिंग स्प्रे से की जा रही है। एनकॅप वाहन द्वारा पानी की फुहार से वायु में धूल का स्तर कम किया जा रहा है। आयुक्त डॉ. कैलास शिंदे के निर्देशानुसार, क्षेत्रीय स्तर पर वायू गुणवत्ता सुधारने के लिए महापालिका की सभी यंत्रणाएँ सक्रिय हो चुकी हैं। रविवार को भी सायन-पनवेल महामार्ग के दुतर्फा, एमआयडीसी साऊथ सेंट्रल रोड और अन्य मुख्य मार्गों पर डीप क्लीनिंग ड्राइव प्रभावी रूप से जारी रही।

एकनाथ शिंदे को महायुति में झटका, भतीजे आशीष माने अजित पवार की NCP में शामिल

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई नगर निगम चुनावों की पृष्ठभूमि में महाराष्ट्र की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। चुनावी तैयारियों के बीच दल-बदल और टिकट वितरण की गतिविधियां चरम पर हैं। इसी बीच महायुति के भीतर सियासी समीकरणों में खटास के संकेत मिलने लगे हैं।

शिंदे गुट को मुंबई में राजनीतिक नुकसान

राज्य के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को उस वक्त राजनीतिक झटका लगा, जब उनके भतीजे आशीष माने ने उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) का दामन थाम लिया। आशीष माने ने मुंबई NCP के कार्यकारी अध्यक्ष सिद्धार्थ कांबले की मौजूदगी में औपचारिक रूप से पार्टी में प्रवेश किया। पार्टी सूत्रों के अनुसार, उनकी उम्मीदवारी भी लगभग तय मानी जा रही है।

महायुति के भीतर 'दोस्ताना कुश्ती' तेज

नगर निगम चुनावों के बीच यह घटनाक्रम महायुति के भीतर बढ़ती सियासी खींचतान को उजागर करता है। NCP ने चांदिवली विधानसभा क्षेत्र से जुड़े वार्ड में आशीष माने को मैदान में उतारने का फैसला किया है। वहीं भाजपा ने अपनी पूर्व महासचिव नेहा राठौड़ को उम्मीदवार बनाया है। जानकारी के अनुसार, आशीष माने को वार्ड नंबर 174 और नेहा राठौड़ को वार्ड नंबर 156 से टिकट दिया गया है। महाराष्ट्र नगर निगम चुनाव 2026 को लेकर राजनीतिक माहौल पूरी तरह गरमाया हुआ है। राज्य की 29 नगर निगमों के लिए नामांकन प्रक्रिया 23 दिसंबर से शुरू हो चुकी है, जो 30 दिसंबर तक चलेगी। नामांकन पत्रों की जांच 31 दिसंबर को होगी, जबकि नाम वापस लेने की अंतिम तारीख 2 जनवरी तय की गई है। उम्मीदवारों की अंतिम सूची और चुनाव चिन्हों का आवंटन 3 जनवरी को किया जाएगा। मतदान 15 जनवरी को होगा और मतगणना 16 जनवरी को की जाएगी।

गठबंधन को लेकर अब भी असमंजस

चुनाव में अब केवल 18 दिन शेष हैं, लेकिन महायुति और महा अघाड़ी की ओर से अब तक औपचारिक गठबंधन की घोषणा नहीं हुई है। ठाकरे भाइयों के संभावित गठबंधन का ऐलान जरूर किया गया है, लेकिन सीट बंटवारे को लेकर तस्वीर साफ नहीं है।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

मेष मान-सम्मान मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ होगा। दूर रहने वाले व्यक्तियों से संपर्क के कारण लाभ हो सकता है। नई योजनाओं का सूत्रपात होने के योग हैं। कार्यक्षमता में वृद्धि होगी। व्यर्थ संदेह न करें। मेहनत का फल पूरा-पूरा मिलेगा।

वृष व्यवसाय ठीक चलेगा। अर्थ प्राप्ति के योग बनेंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। राजकीय बाधा दूर होगी। बेचैनी रहेगी। विवादों से दूर रहना चाहिए। पिता से व्यापार में सहयोग मिल सकेगा। सरकारी मसले सुलझेंगे। सकारात्मक सोच बनेगी।

मिथुन जोखिम व जमानत के कार्य टालें, बाकी सामान्य रहेगा। प्रयास अधिक करने पर भी उचित सफलता मिलने में संदेह है। कार्य में विलंब के भी योग हैं। आर्थिक हानि हो सकती है। पारिवारिक जीवन तनावपूर्ण रहेगा। चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है।

कर्क यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। रुके धन के लिए प्रयत्न जरूर करें। कार्य का विस्तार होगा। दूसरे के कार्यों में हस्तक्षेप से बचें। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। विलासिता के प्रति रुझान बढ़ेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। अध्यात्म में रुचि रहेगी।

सिंह संपत्ति की खरीद-फरोख्त हो सकती है। आय बढ़ेगी। मन में उत्साहपूर्ण विचारों के कारण समय सुखद व्यतीत होगा। मकान व जमीन संबंधी कार्य बनेंगे। अनायास धन लाभ के योग हैं। व्यापार में वांछित उन्नति होगी। बेरोजगारी दूर होगी। विवाद न करें।

कन्या कार्यस्थल पर परिवर्तन लाभ में वृद्धि करेगा। योजना फलीभूत होगी। नए अनुबंध होंगे। कष्ट होगा। पारिवारिक जिम्मेदारी बढ़ने से व्यस्तता बढ़ेगी। कार्य में नवीनता के भी योग हैं। संतान के व्यवहार से समाज में सम्मान बढ़ेगा। स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

तुला रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी बड़े कार्यक्रम का हिस्सा बनेंगे। प्रसन्नता बनी रहेगी। नए कार्यों से जुड़ने का योग बनेगा। पारिवारिक जीवन सुखद नहीं रहेगा। पूजा-पाठ में मन लगेगा। इच्छित लाभ होगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा हो सकती है।

वृश्चिक शत्रु सक्रिय रहेंगे। कुसंगति से हानि होगी। व्ययवृद्धि होगी। लेन-देन में सावधानी रखें, जोखिम न लें। किसी शुभचिंतक से मेल-मुलाकात का हर्ष होगा। संतान की आजीविका संबंधी समस्या का हल निकलेगा। लापरवाही से काम न करें।

धनु किसी कार्य में प्रतिस्पर्धात्मक तरीके से जुड़ने की प्रवृत्ति आपके लिए शुभ रहेगी। राज्यपक्ष से लाभ होगा। अपने काम से काम रखें। दांपत्य सुख प्राप्त होगा। बुरी खबर मिल सकती है। विवाद को बढ़ावा न दें। भागदौड़ रहेगी। आय में कमी होगी।

मकर यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। डूबी हुई रकम प्राप्त होगी। आय में वृद्धि होगी। प्रमाद न करें। आकस्मिक लाभ व निकटजनों की प्रगति से मन में प्रसन्नाता रहेगी। परिश्रम से स्वयं के कार्यों में भी शुभ परिणाम आएँगे। क्रोध एवं उत्तेजना पर संयम रखें।

कुंभ नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। परीक्षा आदि में सफलता मिलेगी। पारिवारिक कष्ट एवं समस्याओं का अंत संभव है। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। आय से अधिक व्यय न करें। परोपकार में रुचि बढ़ेगी।

मीन मेहमानों का आवागमन होगा। व्यय होगा। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। अपने प्रयासों से उन्नति पथ प्रशस्त करेंगे। बुद्धि चातुर्य से कठिन कार्य भी आसानी से बनेंगे। व्यापार अच्छा चलेगा। व्यर्थ समय नष्ट न करें। रुका पैसा मिलेगा।

साल के अंतिम शनिवार पर शनि की विशेष कृपा उत्तराभाद्रपद नक्षत्र में बदलेगा भाग्य का लेखा-जोखा

साल का अंतिम शनिवार अपने आप में ही विशेष महत्व रखता है, लेकिन जब यही शनिवार शनि के ही नक्षत्र उत्तराभाद्रपद के प्रभाव में हो, तब इसका फल कई गुना बढ़ जाता है। वर्ष 2025 का आखिरी शनिवार 27 दिसंबर को पड़ रहा है। इस दिन सुबह के समय पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र रहेगा और प्रातः 9 बजकर 10 मिनट के बाद उत्तराभाद्रपद नक्षत्र का आरंभ हो जाएगा। उत्तराभाद्रपद नक्षत्र शनि देव से जुड़ा हुआ माना जाता है और यही कारण है कि इस दिन किए गए कर्म, उपाय और साधनाएं सीधे शनि तक पहुंचती हैं। शनि को कर्मफलदाता कहा गया है, जो व्यक्ति के अच्छे और बुरे कर्मों के अनुसार उसे फल देते हैं। ऐसे में साल के आखिरी शनिवार को यदि श्रद्धा, संयम और नियम के साथ कुछ सरल उपाय किए जाएं तो जीवन की कई उलझनें धीरे-धीरे सुलझने लगती हैं।

प्रियंका जैन
9769994439

शास्त्रों में बताया गया है कि वर्ष के अंतिम दिनों में किया गया जप, दान और संयम अगले पूरे वर्ष की दिशा तय करता है। खासकर शनिवार का दिन उन लोगों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होता है जो लंबे समय से संघर्ष, आर्थिक तंगी, शत्रुओं की बाधा, कोर्ट-कचहरी, नौकरी या व्यापार की परेशानियों से जूझ रहे हैं। उत्तराभाद्रपद नक्षत्र में शनि की ऊर्जा स्थिर, गंभीर और दीर्घकालिक फल देने वाली होती है। इस नक्षत्र में किए गए उपाय तुरंत नहीं, लेकिन स्थायी लाभ अवश्य देते हैं।

यदि कोई व्यक्ति आर्थिक संकट से गुजर रहा है और लगातार मेहनत के बावजूद धन रुक-रुक कर आ रहा है, तो शनिवार के दिन एक साधारण-सा उपाय उसके लिए वरदान बन सकता है। एक रुपये का सिक्का लेकर उस पर सरसों के तेल की एक बूंद लगाकर शनि मंदिर में अर्पित करना और मन ही मन अपनी परेशानी कहना, शनि को कर्म और धैर्य का संकेत देता है। यह उपाय यह दर्शाता है कि व्यक्ति धन के प्रति लोभ नहीं, बल्कि संतुलन चाहता है। समय के साथ ऐसे लोगों के रुके हुए काम बनने लगते हैं और आय के नए स्रोत खुलने लगते हैं।

जो लोग शत्रुओं से परेशान रहते हैं, जिनके खिलाफ षड्यंत्र होते रहते हैं या जो बिना कारण विवादों में घिर जाते हैं, उनके लिए शनिवार का दिन विशेष राहत देने वाला हो सकता है। बहते जल में नकारात्मकता का विसर्जन शनि को प्रिय माना गया है। यह उपाय व्यक्ति के भीतर और बाहर फैली नकारात्मक ऊर्जा को शांत करता है। धीरे-धीरे शत्रु अपने आप दूर होने लगते हैं और मन को स्थिरता मिलती है।

आज के समय में कई माता-पिता अपनी संतान को उच्च शिक्षा या बेहतर भविष्य के लिए विदेश भेजना चाहते हैं, लेकिन बार-बार अड़चनें आती हैं। शनि का संबंध धैर्य, अनुशासन और दीर्घ यात्रा से भी माना गया है। शनिवार को शनि मंत्र का श्रद्धा से जप करने से न केवल ग्रह बाधा शांत होती है, बल्कि संतान के भाग्य मार्ग भी खुलते हैं। यह उपाय यह सिखाता है कि बिना अधैर्य किए, नियमपूर्वक प्रयास करने से रास्ते अपने आप बनते हैं।

धार्मिक उन्माद और जातीय विद्वेष फैलाने वाले छोड़े नहीं जाएंगे: योगी

▶▶ कानून-व्यवस्था पर मुख्यमंत्री योगी का कड़ा संदेश, अराजक तत्वों पर जीरो टॉलरेंस

एजेंसी | लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्पष्ट किया है कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था, सामाजिक सौहार्द और शांति से खिलवाड़ करने वालों के प्रति किसी भी प्रकार की नरमी नहीं बरती जाएगी। 'पुलिस मंथन' वरिष्ठ पुलिस अधिकारी सम्मेलन-2025 के समापन अवसर पर उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि धार्मिक उन्माद और जातीय विद्वेष फैलाने वाले तत्वों के खिलाफ सख्त और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया के बढ़ते दुरुपयोग पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि फेक अकाउंट, दुष्प्रचार, डीपफेक, डार्कवेब और साइबर अपराध कानून-व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती बनते जा रहे हैं। उन्होंने निर्देश दिया कि सोशल मीडिया पर जातीय व धार्मिक सौहार्द बिगाड़ने वाली किसी भी गतिविधि पर तत्काल संज्ञान लेकर कठोर कार्रवाई की जाए।

अराजक संगठनों और दुष्प्रचार नेटवर्क पर प्रहार

मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ असामाजिक तत्व महापुरुषों के नाम का दुरुपयोग कर नए संगठन बनाकर समाज में अशांति फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। पुलिस को ऐसे संगठनों की पृष्ठभूमि की गहन जांच कर उनके पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करने और कानून के दायरे में सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री योगी ने पुलिस और इंटेलिजेंस तंत्र को धार्मिक कन्वर्जन से जुड़ी गतिविधियों पर विशेष सतर्कता बरतने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि सोशल मीडिया के माध्यम से इंटेलिजेंस को और मजबूत किया जाए, ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि को प्रारंभिक स्तर पर ही रोका जा सके। शांति और सौहार्द बनाए रखने के लिए समयबद्ध कार्रवाई अनिवार्य बताई गई।

सीमा सुरक्षा, आतंकवाद निरोधक तंत्र होगा मजबूत

पाकिस्तान, बांग्लादेश और नेपाल से जुड़ी सीमाओं का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आतंकी गतिविधियों और अवैध तस्करी के नए तौर-तरीकों को देखते हुए सीमा सुरक्षा व्यवस्था को तकनीकी रूप से और सुदृढ़ किया जाए। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संचालित धर्मांतरण रैकेट पर लगाम लगाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, वित्तीय ट्रेल और आधुनिक तकनीक के प्रभावी उपयोग पर जोर दिया।

तस्करी और संगठित अपराध पर निर्णायक कार्रवाई

मुख्यमंत्री ने नशीले पदार्थों की तस्करी और संगठित अपराध के खिलाफ अब तक की पुलिस कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि इसे और अधिक प्रभावी बनाया जाए। इसके लिए विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के बीच रियल-टाइम सूचना साझा कर अपराधी नेटवर्क का मनोबल तोड़ने के निर्देश दिए।

गो-तस्करी के मास्टरमाइंड तक पहुंचे पुलिस

गो-तस्करी के मामलों पर सख्त रुख अपनाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि केवल गिरफ्तारी पर्याप्त नहीं है। पूरे नेटवर्क और उसके मास्टरमाइंड की पहचान कर कठोरतम कार्रवाई की जाए, ताकि संगठित अपराध पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके। उन्होंने इस दिशा में पुलिस के प्रयासों की सराहना भी की।

न्यूज़ ब्रीफ

दिल्ली हाईवे पर आग का गोला बनी कार

बिजनौर। बिजनौर–दिल्ली हाईवे पर बैराज रोड स्थित हेमराज कॉलोनी के पास शनिवार देर रात एक कार में अचानक आग लग गई, जिससे वाहन पूरी तरह जलकर नष्ट हो गया। गनीमत रही कि घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार कार खराब होने के बाद उसमें सवार यात्रियों और चालक के बीच विवाद हुआ था। चालक अबरार ने यात्रियों पर मारपीट और आगजनी का आरोप लगाते हुए कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई है। शहर कोतवाल धर्मेंद्र सोलंकी ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि कार में आग स्वतः लगी या जानबूझकर लगाई गई। सभी पहलुओं पर जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कार में अंगीठी जलाकर सोया चालक, मौत

नैनीताल। नैनीताल के सूखाताल पार्किंग क्षेत्र में ठंड से बचने के लिए कार के भीतर अंगीठी जलाकर सो रहे टैक्सी चालक की दम घुटने से मौत हो गई। मृतक की पहचान मथुरा निवासी मनीष गंधार के रूप में हुई है, जो नोएडा से पर्यटकों को लेकर नैनीताल आया था। पुलिस के अनुसार चालक शनिवार रात वाहन में अंगीठी जलाकर कंबल ओढ़कर सो गया। रविवार सुबह देर तक नहीं जागने पर सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्रथम दृष्टया अंगीठी से निकलने वाली गैस के कारण दम घुटने से मौत की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने परिजनों को सूचना दे दी है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मौत के कारणों की पुष्टि की जाएगी।

शादी के 21 दिन बाद फंदे पर लटका मिला दंपति

सीतापुर। उत्तर प्रदेश के सीतापुर जिले से दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। लहरपुर थाना क्षेत्र के अनियापुर गांव स्थित एक मंदिर परिसर में नवविवाहित दंपति के शव पेड़ से लटके मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। हैरानी की बात यह है कि इसी मंदिर में दोनों ने 21 दिन पहले प्रेम विवाह किया था। पुलिस के अनुसार मृतक खुशीराम (22) निवासी बस्ती पुरवा और मोहिनी (20) ने 7 दिसंबर को मंदिर में विवाह किया था। रविवार को दोनों के शव उसी मंदिर परिसर में लगे एक पुराने पेड़ से लटके पाए गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। घटना की गंभीरता को देखते हुए सीओ सदर नेहा त्रिपाठी भी मौके पर पहुंचीं और घटनास्थल का मुआयना किया। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है, जिससे मामला और रहस्यमय बन गया है। गांव में चर्चा है कि दंपति के परिजन इस विवाह से शुरुआत में खुश नहीं थे, हालांकि बाद में उन्होंने दोनों को स्वीकार कर आशीर्वाद भी दिया था। इसके बावजूद मंदिर परिसर में इस तरह दोनों के शव मिलने से ग्रामीणों के बीच कई सवाल उठ रहे हैं। हर किसी के मन में यही शंका है कि यह आत्महत्या का मामला है या किसी साजिश के तहत दो जिंदगियों को खत्म कर दिया गया। सीओ सदर ने बताया कि प्रारंभिक जांच में दोनों शवों के पैर जमीन को छू रहे थे, जिससे प्रथम दृष्टया आत्महत्या की आशंका जताई जा रही है। हालांकि पुलिस इस मामले में हत्या के सभी संभावित पहलुओं को भी ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

सीमेंट से लदी मालगाड़ी बेपटरी, नदी में गिरे कई डिब्बे

▶▶ सिमुलतला पुल पर हुआ हादसा, रेल यातायात ठप

▶▶ अप और डाउन दोनों लाइनों पर परिचालन प्रभावित

एजेंसी | पटना

बिहार में हावड़ा–पटना–दिल्ली मुख्य रेल मार्ग पर शनिवार देर रात बड़ा हादसा हो गया। जमुई–जसीडीह रेलखंड के सिमुलतला स्टेशन के समीप सिमुलतला पुल पर सीमेंट से लदी मालगाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में कई डिब्बे पुल से नीचे बड़ुआ नदी में गिर गए, जबकि एक दर्जन से अधिक डिब्बे पटरी पर आपस में टकराकर फंस गए। दुर्घटना के कारण रात करीब 11:30 बजे से अप और डाउन दोनों रेल लाइनों पर ट्रेनों का परिचालन ठप हो गया। कई एक्सप्रेस और पैसेंजर ट्रेनें अलग-अलग स्टेशनों पर खड़ी कर दी गईं। लगभग दो दर्जन ट्रेनों के प्रभावित होने से यात्रियों को भारी परेशानी झेलनी पड़ी।

पुल संख्या 676 के अप लाइन पर हादसा

रेलवे अधिकारियों के अनुसार मालगाड़ी जसीडीह से झाझा की ओर अप लाइन पर जा रही थी। टेलवा बाजार हाल्ट के पास पुल संख्या 676 पर अचानक मालगाड़ी के डिब्बे बेपटरी हो गए। सभी क्षतिग्रस्त डिब्बे पुल के आसपास ही रह गए, जबकि इंजन करीब 400 मीटर आगे टेलवा बाजार हाल्ट के पास सुरक्षित खड़ा मिला। घटना की जानकारी मिलते ही मालगाड़ी के चालक और गार्ड ने सिमुलतला स्टेशन को सूचना दी। इसके बाद स्टेशन प्रबंधक अखिलेश कुमार, आरपीएफ ओपी प्रभारी रवि कुमार और पीडब्ल्यूआई रंधीर कुमार देर रात घटनास्थल पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। आसनसोल रेल मंडल के पीआरओ ने बताया कि बहाली कार्य के लिए तकनीकी टीम आसनसोल से रवाना कर दी गई है। मालगाड़ी में कुल 42 डिब्बे थे, जिनमें से 23 डिब्बे पटरी पर सुरक्षित बताए गए हैं। गाड़ी में लगे दोनों इंजन भी सुरक्षित हैं। दुर्घटनाग्रस्त मालगाड़ी आसनसोल से सीतामढ़ी की ओर सीमेंट लेकर जा रही थी। मालगाड़ी के चालक का नाम कमलेश कुमार और गार्ड का नाम मनीष कुमार पासवान बताया गया है।

जफराबाद विधायक के प्रयास से सई नदी पर बना पुल

30.74 लाख की लागत से तैयार हुआ पुल, स्थानीय ग्रामीणों को आवागमन में हुई सहूलियत

एजेंसी | जौनपुर

जनपद जौनपुर के नेवढ़िया थाना क्षेत्र अंतर्गत गूतवन सलखापुर घाट पर सई नदी पर निर्मित पीपा पुल का रविवार को विधिवत उद्घाटन किया गया। करीब 30 लाख 74 हजार रुपये की लागत से तैयार इस पुल से सलखापुर, गूतवन सहित आसपास के कई गांवों के लोगों को नदी पार करने में बड़ी राहत मिलेगी।

विधायक जगदीश नारायण राय ने किया उद्घाटन

जफराबाद विधानसभा क्षेत्र के सुभासपा विधायक जगदीश नारायण राय ने फीता काटकर और पूजा-अर्चना के साथ पुल का लोकार्पण किया। राज्य योजना सेतु के अंतर्गत बने इस पीपा पुल से रामनगर क्षेत्र के ग्रामीणों के लिए आवागमन पहले से कहीं अधिक आसान हो गया है।

ग्रामीण कर रहे थे पुल की मांग

उद्घाटन के बाद विधायक जगदीश नारायण राय ने कहा कि क्षेत्रवासी लंबे समय से पीपा पुल की मांग कर रहे थे। जनहित को देखते हुए इस कार्य को प्राथमिकता पर पूरा कराया गया है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की बुनियादी समस्याओं का समाधान करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। कार्यक्रम से पूर्व ग्रामीणों ने विधायक का माल्यार्पण कर स्वागत किया। उद्घाटन समारोह में विधानसभा अध्यक्ष नंदलाल यादव, संजय सिंह, राम आसरे यादव, रवि यादव, राम लोचन यादव, ग्राम प्रधान मक्खन यादव, संदीप जायसवाल, भीम यादव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

कोहरे से ढका आसमान, नहीं हो रहे सूर्यदेव के दर्शन

▶▶ शीतलहर का असर, जौनपुर में कक्षा 8 तक के विद्यालयों में अवकाश

▶▶ प्रयागराज और प्रतापगढ़ में ठंड की वजह से सन्नाटे में दिखीं सड़कें

एजेंसी | प्रयागराज/प्रतापगढ़/जौनपुर

इस समय आसमान पर कोहरे का राज है। शीतलहर चरम पर है। दिनचर्या के कार्य के अतिरिक्त लोग कंबल और आग का साथ नहीं छोड़ रहे हैं। पिछले सप्ताहभर से अवध के लगभग सभी जिलों में यही स्थिति है। प्रयागराज और प्रतापगढ़ का तापमान भी सात से पांच डिग्री सेल्सियस के बीच चल रहा है। शनिवार की तरह रविवार को भी आसमान कोहरे से ढका रहा। बाजारों में लोगबाग अलाव के किनारे जमे मिले। चाय की दुकान पर भी भट्ठी के इर्द-गिर्द लोगों की

29 और 30 दिसंबर को स्कूलों में छुट्टी

जौनपुर में जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र सिंह के निर्देश पर कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों के लिए अवकाश घोषित किया गया है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. गोरखनाथ पटेल ने जानकारी दी कि जौनपुर के सभी परिषदीय, मान्यता प्राप्त, सहायता प्राप्त तथा सीबीएसई, आईसीएसई और उत्तर प्रदेश बोर्ड से संबद्ध विद्यालयों में कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों के लिए 29 एवं 30 दिसंबर 2025 को अवकाश रहेगा। यह अवकाश केवल छात्रों के लिए लागू होगा। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि अवकाश अवधि के दौरान विद्यालयों के सभी शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक कर्मचारी अपने निर्धारित समय पर विद्यालय में उपस्थित रहेंगे। विभागीय कार्यों और अन्य शासकीय दायित्वों का निर्वहन पूर्व की भांति किया जाएगा। जिला प्रशासन ने समस्त खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में इस आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराएं, ताकि किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो और छात्रों की सुरक्षा बनी रहे।

व्यापार जगत

जहाज निर्माण में ₹44,700 करोड़ के निवेश को मंजूरी

▶▶ समुद्री क्षेत्र में आत्मनिर्भरता, जहाज निर्माण को मिलेगा रिकॉर्ड प्रोत्साहन

▶▶ 2047 तक निर्माण क्षमता बढ़ाकर 4.5 मिलियन ग्रास टन करने का लक्ष्य

एजेंसी | नई दिल्ली

देश के समुद्री बुनियादी ढांचे को वैश्विक स्तर पर मजबूत बनाने के लिए केंद्र सरकार ने बड़ा और निर्णायक कदम उठाया है। केंद्रीय बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने जहाज निर्माण क्षेत्र से जुड़ी दो महत्वाकांक्षी योजनाओं के दिशा-निर्देश अधिसूचित कर दिए हैं। इन योजनाओं पर कुल 44,700 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश किया जाएगा। सरकार की इस पहल का उद्देश्य भारत की घरेलू जहाज निर्माण क्षमता को बढ़ाना, आयात पर निर्भरता कम करना और अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय शिपयार्ड को प्रतिस्पर्धी बनाना है। इससे 'मेक इन इंडिया' और आत्मनिर्भर भारत अभियान को भी मजबूती मिलने की उम्मीद है। सरकार का लक्ष्य है कि वर्ष 2047 तक भारत की जहाज निर्माण क्षमता बढ़कर 4.5 मिलियन ग्रॉस टन प्रति वर्ष तक पहुंच जाए।

दो प्रमुख योजनाएं, एक साझा लक्ष्य

नई नीति के तहत शिपबिल्डिंग फाइनेंशियल असिस्टेंस स्कीम (SBFAS) और शिपबिल्डिंग डेवलपमेंट स्कीम (SbDS) को लागू किया गया है। दोनों योजनाएं मिलकर वित्तीय सहायता, तकनीकी उन्नयन और कौशल विकास के माध्यम से पूरे सेक्टर को नया आकार देंगी।

जहाज निर्माण पर सीधी वित्तीय सहायता

SBFAS के अंतर्गत सरकार 24,736 करोड़ रुपए का कोष स्थापित करेगी। इस योजना में जहाज की श्रेणी के अनुसार 15 से 25 प्रतिशत तक वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। छोटे, बड़े और विशेष प्रयोजन वाले जहाजों के लिए अलग-अलग दरें तय की गई हैं। यह सहायता तय मानकों और माइलस्टोन पूरे होने पर चरणबद्ध रूप से जारी की जाएगी। शिपबिल्डिंग डेवलपमेंट स्कीम के लिए 19,989 करोड़ रुपए का बजट रखा गया है। यह योजना आधुनिक बुनियादी ढांचे, नई तकनीकों को अपनाने और कुशल मानव संसाधन तैयार करने पर केंद्रित होगी।

जहाज तोड़ने पर मिलेगा प्रोत्साहन

सरकार ने जहाज स्क्रैपिंग को बढ़ावा देने के लिए नई प्रोत्साहन व्यवस्था लागू की है। इसके तहत भारत में जहाज तोड़ने वाले जहाज मालिकों को स्क्रैप मूल्य का 40 प्रतिशत क्रेडिट नोट मिलेगा। इससे पुराने जहाजों की रिसाइक्लिंग बढ़ेगी और नए जहाजों के निर्माण को गति मिलेगी, साथ ही सर्कुलर इकॉनमी को भी मजबूती मिलेगी।

नए क्लस्टर और अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी सेंटर

योजनाओं के तहत ग्रीनफील्ड शिपबिल्डिंग क्लस्टर विकसित किए जाएंगे और मौजूदा शिपयार्ड का आधुनिकीकरण किया जाएगा। इसके साथ ही इंडियन मैरीटाइम यूनिवर्सिटी में इंडिया शिप टेक्नोलॉजी सेंटर की स्थापना की जाएगी, जहां रिसर्च, डिजाइन, नवाचार और स्किल डेवलपमेंट पर काम होगा। ग्रीनफील्ड क्लस्टर को साझा ढांचे के लिए 100 प्रतिशत पूंजी सहायता और पुराने शिपयार्ड को विस्तार के लिए 25 प्रतिशत तक सहायता दी जाएगी।

सोना-चांदी के साथ प्लेटिनम भी ऑल टाइम हाई पर

▶▶ कीमती धातुओं में रिकॉर्ड उछाल, 2025 बना ऐतिहासिक साल

▶▶ सोने की 70 तो चांदी की कीमत 150 प्रतिशत तक बढ़ी

नई दिल्ली। साल 2025 कीमती धातुओं के लिए बेहद शानदार साबित हुआ है। सोना, चांदी और प्लैटिनम ने इस वर्ष अभूतपूर्व तेजी दर्ज करते हुए नए रिकॉर्ड बना दिए हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 4,530 डॉलर प्रति औंस के पार पहुंच गया, जबकि चांदी 75 डॉलर प्रति औंस से ऊपर कारोबार करती नजर आई। वहीं प्लैटिनम भी 2,400 डॉलर प्रति औंस के स्तर को पार कर ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया। साल 2025 में अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमत करीब 70 प्रतिशत तक बढ़ी, जबकि चांदी ने 150 प्रतिशत से अधिक की छलांग लगाई। वर्ष 1979 के बाद यह पहला मौका है, जब एक ही साल में इन दोनों धातुओं में इतनी बड़ी तेजी देखने को मिली। जानकारों का कहना है कि इंडस्ट्रियल डिमांड में बढ़ोतरी, वैश्विक आपूर्ति में कमी और सुरक्षित निवेश विकल्प के रूप में बढ़ते रुझान के चलते चांदी की कीमतों में लगातार तेजी बनी रही। सिल्वर ईटीएफ में मजबूत निवेश प्रवाह ने भी कीमतों को रिकॉर्ड स्तर तक पहुंचाया।

केंद्रीय बैंकों की खरीदारी से सोने को मजबूती

विशेषज्ञों के अनुसार सोने की कीमतों में आई तेज उछाल के पीछे कई देशों के केंद्रीय बैंकों द्वारा बड़े पैमाने पर स्वर्ण भंडार बढ़ाना एक प्रमुख कारण रहा। इसके साथ ही गोल्ड ईटीएफ में लगातार निवेश ने भी सोने को मजबूत समर्थन दिया। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा वर्ष 2025 में तीन बार ब्याज दरों में कटौती किए जाने से भी सोने और चांदी की कीमतों को बल मिला। बाजार का अनुमान है कि 2026 में भी ब्याज दरों में नरमी का सिलसिला जारी रह सकता है, जिससे कीमती धातुओं की मांग और बढ़ने की संभावना है।

डॉलर में कमजोरी का मिला फायदा

कमोडिटी विशेषज्ञ मयंक मोहन के अनुसार फॉरेक्स बाजार में डॉलर इंडेक्स की कमजोरी ने भी सोना और चांदी को मजबूती दी। हाल ही में डॉलर इंडेक्स में 0.70 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, जो जून के बाद की सबसे बड़ी गिरावट मानी जा रही है। सोना और चांदी के साथ-साथ प्लैटिनम ने भी निवेशकों को चौंकाया। सिर्फ दिसंबर महीने में ही इसकी कीमत में 40 प्रतिशत से अधिक की तेजी दर्ज की गई, जिससे यह पहली बार 2,400 डॉलर प्रति औंस के स्तर के पार पहुंच गया।

कोल इंडिया की अनुषंगी कंपनियों की लिस्टिंग की तैयारी

▶▶ 2030 तक सभी इकाइयां शेयर बाजार में होंगी शामिल

▶▶ निर्देश पर कोयला मंत्रालय ने तैयार की रूपरेखा

एजेंसी | नई दिल्ली

सरकारी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड की सभी अनुषंगी कंपनियों को शेयर बाजार में सूचीबद्ध करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने कॉरपोरेट प्रशासन, पारदर्शिता और जवाबदेही को मजबूत करने के उद्देश्य से कोयला मंत्रालय को निर्देश दिए हैं कि कोल इंडिया की सहायक कंपनियों को वर्ष 2030 तक चरणबद्ध तरीके से लिस्ट कराया जाए। इस पहल का मुख्य उद्देश्य कोल इंडिया के संचालन को अधिक सुव्यवस्थित बनाना, निवेशकों के लिए पारदर्शिता बढ़ाना और परिसंपत्ति मौद्रिकरण के जरिए कंपनी के मूल्य में वृद्धि करना है। कोल इंडिया लिमिटेड देश के कुल घरेलू कोयला उत्पादन में 80 प्रतिशत से अधिक की हिस्सेदारी रखती है, ऐसे में इस कदम को ऊर्जा क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

आठ सहायक कंपनियों के जरिए होता है संचालन

कोल इंडिया अपनी आठ अनुषंगी कंपनियों के माध्यम से देशभर में कोयला उत्पादन और उससे जुड़े कार्यों का संचालन करती है। इनमें ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल), सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड, वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड और सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट लिमिटेड शामिल हैं। इस पहल को सरकारी कंपनियों में सुधार और निवेशकों के लिए नए अवसर सृजित करने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक भारत कोकिंग कोल लिमिटेड और सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट लिमिटेड को मार्च 2026 तक शेयर बाजार में सूचीबद्ध करने की योजना है। इन दोनों कंपनियों की लिस्टिंग को लेकर तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं। बीसीसीएल के घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोडशो भी सफलतापूर्वक पूरे हो चुके हैं। सूत्रों का कहना है कि कंपनी की लिस्टिंग प्रक्रिया पूरी गति से आगे बढ़ रही है और फिलहाल किसी प्रकार की देरी या अड़चन नहीं है।

दिग्गज कंपनियों के मार्केट कैप में गिरावट

▶▶ सेंसेक्स में मामूली बढ़त, टॉप-10 कंपनियों को झटका

नई दिल्ली। बीते सप्ताह शेयर बाजार में सीमित कारोबार के बीच हल्की तेजी देखने को मिली। बीएसई सेंसेक्स 112.09 अंक यानी 0.13 प्रतिशत चढ़कर बंद हुआ, लेकिन इसके बावजूद शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों का संयुक्त बाजार पूंजीकरण 35,439.36 करोड़ रुपए घट गया। सप्ताह के दौरान गिरावट दर्ज करने वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज ने मार्केट कैप के लिहाज से अपनी शीर्ष स्थिति बरकरार रखी। इसके बाद एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआई, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो और एलआईसी का स्थान रहा।

रिलायंस, टीसीएस,एसबीआई को भारी नुकसान

सप्ताह के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के बाजार पूंजीकरण में गिरावट दर्ज की गई। सबसे ज्यादा नुकसान एसबीआई को हुआ, जिसका मार्केट कैप 12,692.1 करोड़ रुपए घटकर 8,92,046.88 करोड़ रुपए रह गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 8,254.81 करोड़ रुपए घटकर 21,09,712.48 करोड़ रुपए पर आ गया। बजाज फाइनेंस के बाजार पूंजीकरण में 5,102.43 करोड़ रुपए की कमी आई और यह 6,22,124.01 करोड़ रुपए रह गया। एलएंडटी का मार्केट कैप 4,002.94 करोड़ रुपए घटकर 5,56,436.22 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। वहीं आईसीआईसीआई बैंक, एलआईसी और टीसीएस को भी इस दौरान नुकसान उठाना पड़ा। दूसरी ओर कुछ चुनिंदा शेयरों में मजबूती देखने को मिली। एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 10,126.81 करोड़ रुपए बढ़कर 15,26,765.44 करोड़ रुपए हो गया।

इसरो का बड़ा विस्तार प्लान

श्रीहरिकोटा में बनेगा तीसरा लॉन्च पैड

- भारी मिशनों की तैयारी तेज
- चार साल में पूरा करने का लक्ष्य

एजेंसी | चेन्नई

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) देश की बढ़ती अंतरिक्ष जरूरतों को ध्यान में रखते हुए श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र में तीसरा प्रक्षेपण पैड विकसित करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इसरो का लक्ष्य अगले चार वर्षों के भीतर इस नए लॉन्च पैड को स्थापित कर चालू करना है। फिलहाल इस परियोजना के लिए उपयुक्त कंपनियों की पहचान और खरीद प्रक्रिया शुरू की जा रही है।

भारी उपग्रहों के लिए जरूरी नया लॉन्च पैड

सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के निदेशक पद्मकुमार ईएस के अनुसार, भविष्य में 12,000 से 14,000 किलोग्राम से अधिक वजन वाले बड़े उपग्रहों को विभिन्न कक्षाओं में भेजने की योजना है। इसके लिए अधिक क्षमता वाले प्रक्षेपण यानों की जरूरत होगी, जिसे ध्यान में रखते हुए तीसरे लॉन्च पैड की योजना बनाई गई है।

कुलसेकरपट्टिनम से होंगे छोटे उपग्रह लॉन्च

पद्मकुमार ने बताया कि तमिलनाडु के कुलसेकरपट्टिनम में निर्माणाधीन प्रक्षेपण केंद्र का उपयोग लघु उपग्रह प्रक्षेपण यानों (एसएसएलवी) के लिए किया जाएगा। यहां से लगभग 500 किलोग्राम तक वजन वाले उपग्रहों को निम्न कक्षा में भेजा जाएगा। इसरो के अनुसार, श्रीहरिकोटा केंद्र की शुरुआत 1971 में रोहिणी-125 रॉकेट के प्रक्षेपण से हुई थी। 2002 में इसका नामकरण सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र किया गया और तब से यह भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम की रीढ़ बना हुआ है।

एनजीएलवी और मानव मिशनों में होगा उपयोग

उन्होंने बताया कि तीसरा प्रक्षेपण पैड चालू होने के बाद इसका उपयोग अगली पीढ़ी के प्रक्षेपण यानों (एनजीएलवी) के साथ-साथ मानवयुक्त और मानवरहित दोनों तरह के अभियानों में किया जाएगा। वर्तमान में पहले और दूसरे लॉन्च पैड से पीएसएलवी, जीएसएलवी और एलवीएम3 रॉकेट प्रक्षेपित किए जा रहे हैं। इसरो ने 24 दिसंबर को एलवीएम3-एम6 रॉकेट के जरिये लगभग 6,000 किलोग्राम वजनी अमेरिकी उपग्रह 'ब्लू बर्ड ब्लॉक-2' को पृथ्वी की निम्न कक्षा में स्थापित कर एक नया रिकॉर्ड बनाया था। यह भारत से अब तक प्रक्षेपित किया गया सबसे भारी उपग्रह है।

टैरिफ नीति की मार

अमेरिका में 15 साल में सबसे ज्यादा कंपनियां दिवालिया

- ट्रंप के दावे सवालों के घेरे में

एजेंसी | नई दिल्ली

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीतियां, जिन्हें वह अमेरिकी अर्थव्यवस्था और राजस्व के लिए फायदेमंद बताते रहे हैं, अब उल्टा असर दिखाती नजर आ रही हैं। साल 2025 में अमेरिका में कंपनियों के दिवालिया होने के मामले 15 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए हैं। कंपनियों और अर्थशास्त्रियों का कहना है कि इसके पीछे ट्रंप प्रशासन की आक्रामक टैरिफ नीति, बढ़ती महंगाई और ऊंची ब्याज दरें प्रमुख कारण हैं। 'द वॉशिंगटन पोस्ट' की रिपोर्ट और S&P ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस के आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी से नवंबर 2025 के बीच अमेरिका में 717 कंपनियों ने चैप्टर 7 या चैप्टर 11 के तहत दिवालियापन के लिए आवेदन किया। यह आंकड़ा पिछले साल की समान अवधि की तुलना में करीब 14 प्रतिशत अधिक है और 2010 के बाद सबसे ऊंचा स्तर है।

टैरिफ का सबसे बड़ा असर इंडस्ट्रियल सेक्टर पर

विशेषज्ञों के अनुसार, आयात पर निर्भर अमेरिकी व्यवसायों को दशकों में सबसे ज्यादा टैरिफ का सामना करना पड़ा है। इसका सबसे बड़ा असर इंडस्ट्रियल सेक्टर पर पड़ा, जिसमें निर्माण, विनिर्माण और परिवहन कंपनियां शामिल हैं। कई कंपनियों ने अपने दिवालियापन के लिए महंगाई, ऊंची ब्याज दरों और टैरिफ से बढ़ी लागत को जिम्मेदार ठहराया है। व्यापार नीतियों के कारण सप्लाई चेन भी बुरी तरह प्रभावित हुई है। हालांकि ट्रंप लगातार यह दावा करते रहे हैं कि टैरिफ से अमेरिकी मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को मजबूती मिली है, लेकिन संघीय आंकड़े कुछ और ही कहानी बताते हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

नशा तस्करी और आतंकी नेटवर्क पर कसेगा शिकंजा

जम्मू। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने सीमा पार से हो रही नशीले पदार्थों की तस्करी और आतंकी नेटवर्क को जड़ से खत्म करने के लिए एक नया और सख्त एक्शन प्लान तैयार किया है। राजौरी-पुंछ रेंज के डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल (DIG) तजिंदर सिंह ने इसके तहत ह्यूमन इंटेलिजेंस (HUMINT) को और मजबूत करने के निर्देश दिए हैं, ताकि तस्कर गिरोहों और आतंकी इकोसिस्टम की सटीक पहचान कर उन्हें ध्वस्त किया जा सके। DIG तजिंदर सिंह ने रविवार को पुंछ जिले में आयोजित इंटेलिजेंस, सुरक्षा और अपराध समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में उन्होंने अधिकारियों को इनोवेटिव इंटेलिजेंस संग्रह और विश्लेषण तकनीकों को अपनाने का निर्देश दिया, जिससे पुलिस की ऑपरेशनल क्षमता को और बेहतर बनाया जा सके।नशा तस्करी को समर्थन देने वाले नेटवर्क भगोड़े अपराधी और खराब छवि वाले तत्व इन सभी की पहचान और निरंतर निगरानी पुलिस की शीर्ष प्राथमिकता होनी चाहिए।

सड़क हादसे में हाई स्पीड बाइक खड़ी ट्रक से टकराई, दो की मौत

धनबाद। झरिया के सुदामडीह थाना क्षेत्र में रविवार को एक सड़क हादसे में दो युवकों की जान चली गई। हाई स्पीड में जा रही एक बाइक सड़क किनारे खड़े ट्रक के पीछे से जा टकराई। हादसे में एनबीसीसी कॉलोनी निवासी एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि जेलगोड़ा निवासी दूसरे युवक को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे भी मृत घोषित कर दिया। वहीं, घटना की सूचना मिलते ही सुदामडीह थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी। घटना के संबंध में स्थानीय निवासी अभिषेक पांडे ने बताया कि पाथरडीह सेवन डेज होटल के समीप तेज रफ्तार बाइक सवार ने सड़क किनारे खड़े ट्रक में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे दोनों युवकों की मौत हो गई।

बंगाल चुनाव में कांग्रेस का बड़ा फैसला

लेफ्ट से अलग होकर अकेले लड़ेगी विधानसभा चुनाव

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। इसी बीच प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शुभंकर सरकार ने बड़ा संकेत देते हुए साफ कर दिया है कि कांग्रेस इस बार लेफ्ट पार्टियों के साथ गठबंधन नहीं करेगी और चुनाव अकेले लड़ेगी। उनके इस बयान से कांग्रेस-लेफ्ट गठबंधन की उम्मीद लगाए बैठे नेताओं और कार्यकर्ताओं को झटका लगा है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शुभंकर सरकार ने कहा,'लोग चाहते हैं कि कांग्रेस अकेले चुनाव लड़े। अभी हमारे पास जो ताकत है, उससे हम अपने दम पर चुनाव लड़ सकते हैं। हमने इस बारे में AICC को जानकारी दे दी है। जब कोई पार्टी कमजोर होती है, तब उसे दूसरी पार्टी का सहारा लेना पड़ता है। कांग्रेस अब पहले से ज्यादा मजबूत है।' उन्होंने साफ कहा कि पार्टी अब अकेले आगे बढ़ने के पक्ष में है।

2021 के चुनाव में था कांग्रेस-लेफ्ट गठबंधन

गौरतलब है कि 2021 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और लेफ्ट ने मिलकर चुनाव लड़ा था, जबकि तृणमूल कांग्रेस ने अकेले दम पर मैदान में उतरकर जीत हासिल की थी। उस चुनाव में भाजपा भी एक मजबूत चुनौती के रूप में सामने आई थी। वर्तमान में राज्य में ममता बनर्जी के नेतृत्व में तृणमूल कांग्रेस की सरकार है।

ISF-लेफ्ट गठबंधन की संभावनाएं बरकरार

हालांकि कांग्रेस ने गठबंधन से दूरी बना ली है, लेकिन ISF और लेफ्ट पार्टियों के बीच गठबंधन की संभावनाएं अब भी बनी हुई हैं। सूत्रों के मुताबिक, शनिवार को अलीमुद्दीन स्ट्रीट पर लेफ्ट और ISF नेताओं के बीच बैठक हुई, जिसमें सीट शेयरिंग पर विस्तार से चर्चा हुई। इस बैठक में कांग्रेस शामिल नहीं थी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने यह भी कहा कि राजनीति में सभी समीकरण स्थायी नहीं होते।'

8 करोड़ रुपए की साइबर ठगी

एजेंसी | पश्चिम चम्पारण

बगहा में शेयर बाजार में निवेश कर मोटा मुनाफा दिलाने का झांसा देकर करोड़ों रुपये की ठगी करने वाले एक संगठित साइबर गिरोह का पुलिस ने खुलासा किया है।साइबर थाना में दर्ज मामले की जांच के दौरान सामने आया कि ठगों ने सुनियोजित तरीके से करीब 8 करोड़ रुपये की ठगी को अंजाम दिया है।इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है,जबकि पूरे नेटवर्क की जांच अभी जारी है।उक्त जानकारी प्रभारी पुलिस अधीक्षक निर्मला कुमारी ने प्रेस रिलीज जारी करके दिया। उन्होंने बताया पीड़ित के आवेदन के आधार पर साइबर थाना कांड संख्या 24/25 दर्ज कर जांच शुरू की गई थी।जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ी,यह स्पष्ट होता गया कि यह कोई सामान्य ऑनलाइन ठगी नही,बल्कि एक संगठित साइबर अपराध है,जिसमें तकनीकी तरीकों और बैंकिंग सिस्टम की कमजोरियों का फायदा उठाया गया।

शी जिनपिंग की सख्ती

भ्रष्टाचार के आरोपों में चीन के तीन शीर्ष सैन्य अधिकारी हटाए गए

एजेंसी | बीजिंग

चीन में भ्रष्टाचार के खिलाफ चल रहे सख्त अभियान के तहत तीन बड़े और सीनियर सैन्य अधिकारियों को उनके पदों से हटा दिया गया है। यह कार्रवाई राष्ट्रपति शी जिनपिंग के नेतृत्व में सेना और सत्ता तंत्र में जारी एंटी-करप्शन मुहिम का हिस्सा मानी जा रही है। चीनी संसद नेशनल पीपुल्स कांग्रेस (NPC) की स्थायी समिति ने वांग रेनहुआ, झांग होंगबिंग और वांग पेंग को उनके पदों से निष्कासित कर दिया।

वांग रेनहुआ सेंट्रल मिलिट्री कमीशन (CMC) की राजनीतिक और कानूनी मामलों की समिति के प्रमुख थे। झांग होंगबिंग पीपुल्स आर्म्ड पुलिस (PAP) के राजनीतिक कमिश्नर के पद पर तैनात थे। वांग पेंग CMC के ट्रेनिंग और प्रशासन विभाग के निदेशक थे। हालांकि, तीनों अधिकारी अब भी चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी (CPC) की सेंट्रल कमेटी के सदस्य बने हुए हैं, जो पार्टी के अहम फैसले लेने वाली सर्वोच्च इकाइयों में से एक है।

लंबे समय से सार्वजनिक कार्यक्रमों से थे गायब

दरअसल, ये तीनों अधिकारी पिछले कई महीनों से सार्वजनिक रूप से नजर नहीं आ रहे थे। जुलाई के अंत में पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (PLA) की स्थापना की सालगिरह और अक्टूबर में कम्युनिस्ट पार्टी के चौथे प्लेनम सत्र में भी वे शामिल नहीं हुए थे। इसके बाद से ही उनके खिलाफ कार्रवाई की अटकलें तेज हो गई थीं।

63 वर्षीय वांग रेनहुआ को पिछले साल ही राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने एडमिरल के पद पर प्रमोट किया था। उन्हें सेना की अदालतों और जेलों की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। इससे पहले वे गोबी रेगिस्तान स्थित जियुक्वान सैटेलाइट लॉन्च सेंटर में राजनीतिक इकाई के प्रमुख रह चुके थे।

अल्पसंख्यकों पर भारत की चिंता से बांग्लादेश नाराज़

ढाका। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की स्थिति को लेकर भारत द्वारा जताई गई चिंता पर अब पड़ोसी देश बौखला उठा है। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान जारी कर भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता की टिप्पणियों को 'तथ्यहीन और भ्रामक' करार दिया है। ढाका ने कहा कि देश में सांप्रदायिक सौहार्द को लेकर फैलाए जा रहे दावे गलत और बढ़ा-चढ़ाकर पेश किए गए हैं। बांग्लादेश सरकार ने अपने बयान में कहा कि देश में लंबे समय से सभी समुदायों के बीच शांति, भाईचारे और सह-अस्तित्व की परंपरा रही है। सरकार ने इस बात से इनकार किया कि हालिया घटनाएं किसी विशेष समुदाय, खासकर हिंदुओं, के खिलाफ संगठित हमलों का हिस्सा थीं। ढाका ने आरोप लगाया कि कुछ आपराधिक घटनाओं को जानबूझकर हिंदुओं के खिलाफ बड़े पैमाने पर उत्पीड़न के रूप में पेश किया जा रहा है। बांग्लादेश सरकार का कहना है कि इन घटनाओं का इस्तेमाल भारत के कुछ हिस्सों में बांग्लादेश विरोधी माहौल बनाने और आम लोगों को बांग्लादेश, उसके दूतावासों और संस्थानों के खिलाफ भड़काने के लिए किया जा रहा है।

उन्नाव रेप केस

जंतर-मंतर पर टकराव, कुलदीप सेंगर की जमानत के खिलाफ प्रदर्शन में हंगामा

नई दिल्ली। उन्नाव रेप केस में पूर्व भाजपा विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को दिल्ली हाई कोर्ट द्वारा उम्रकैद की सजा निलंबित कर सशर्त जमानत दिए जाने के फैसले के खिलाफ रविवार को जंतर-मंतर पर बड़ा विरोध प्रदर्शन हुआ। महिला अधिकार कार्यकर्ताओं, वामपंथी छात्र संगठनों और सामाजिक संगठनों ने पीड़िता के लिए न्याय की मांग करते हुए भाजपा के खिलाफ नारेबाजी की।

प्रदर्शन के दौरान उस समय हालात तनावपूर्ण हो गए जब कुलदीप सेंगर के समर्थन में एक महिला 'आई सपोर्ट कुलदीप सेंगर' का पोस्टर लेकर पहुंची। इसे देखते ही प्रदर्शनकारियों में नाराजगी फैल गई और दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस और झड़प की स्थिति बन गई। मौके पर मौजूद पुलिस ने हालात को संभाला।

सुप्रीम कोर्ट से न्याय की उम्मीद

प्रदर्शनकारियों ने बताया कि 29 दिसंबर को सुप्रीम कोर्ट में सीबीआई की उस याचिका पर सुनवाई होनी है, जिसमें दिल्ली हाई कोर्ट के जमानत आदेश को चुनौती दी गई है। आजतक से बातचीत में कार्यकर्ताओं ने उम्मीद जताई कि शीर्ष अदालत पीड़िता को न्याय दिलाएगी।

आजतक से बात करते हुए उन्नाव रेप पीड़िता ने कहा कि जमानत का आदेश उसके और उसके परिवार के लिए 'काल' जैसा है। पीड़िता ने आरोप लगाया,'जमानत के आदेश ने सेंगर की सजा को रोक दिया है।

पीड़िता की मां बोलीं-हाई कोर्ट पर भरोसा नहीं

पीड़िता की मां बातचीत के दौरान भावुक हो गईं। उन्होंने कहा,'हम न्याय के लिए सड़कों पर भटक रहे हैं। मेरे पति को मार दिया गया। मुझे हाई कोर्ट पर कोई भरोसा नहीं है। अब सिर्फ सुप्रीम कोर्ट से ही उम्मीद है।'उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि परिवार की सुरक्षा हटा ली गई है और कुलदीप सेंगर उन्हें मरवाने की कोशिश कर रहा है।

यूक्रेन युद्ध पर पुतिन की सख्त चेतावनी

- शांति नहीं तो सैन्य ताकत से पूरे करेंगे लक्ष्य: पुतिन

एजेंसी | नई दिल्ली

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन को खुली चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर कीव शांति समझौते की दिशा में कदम नहीं बढ़ाता, तो रूस अपने सभी लक्ष्य सैन्य ताकत के जरिए हासिल करेगा। पुतिन ने आरोप लगाया कि यूक्रेन शांति वार्ता को लेकर कोई जल्दबाजी नहीं दिखा रहा है, ऐसे में रूस के पास बल प्रयोग के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा।

पुतिन का यह बयान ऐसे समय पर आया है, जब यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मिलने वाले हैं। दोनों नेताओं की यह बैठक फ्लोरिडा में होगी, जहां यूक्रेन युद्ध को खत्म करने के संभावित रास्तों पर चर्चा की जाएगी। पुतिन के बयान पर फिलहाल व्हाइट हाउस की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

जेलेंस्की का पलटवार

रूस की ओर से यूक्रेन पर बड़े पैमाने पर ड्रोन और मिसाइल हमले किए जाने के बाद राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा कि ये हमले साफ तौर पर दिखाते हैं कि रूस युद्ध जारी रखना चाहता है, जबकि यूक्रेन शांति के पक्ष में है। उन्होंने कहा कि कीव लगातार कूटनीतिक समाधान की बात कर रहा है। रूस ने दावा किया है कि उसकी सेना ने यूक्रेन के डोनेत्स्क क्षेत्र में मिर्नोहराद, रोडिन्स्के और आर्टेमिव्का शहरों पर कब्जा कर लिया है।

यूक्रेन ने रूसी दावों को बताया गलत

यूक्रेन की सेना ने रूस के इन दावों को खारिज कर दिया है। यूक्रेनी सशस्त्र सेनाओं के जनरल स्टाफ ने कहा कि मिर्नोहराद और हुलियाइपोले में हालात चुनौतीपूर्ण जरूर हैं, लेकिन वहां यूक्रेनी सेना अब भी मोर्चा संभाले हुए है। यूक्रेन के सदर्न कमांड के अनुसार, हुलियाइपोले में भीषण लड़ाई जारी है, हालांकि शहर का बड़ा हिस्सा अभी भी यूक्रेन के नियंत्रण में है। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने बताया कि अमेरिका ने यूक्रेन को 15 साल की अवधि वाली सुरक्षा गारंटी का प्रस्ताव दिया है, जिसे भविष्य में बढ़ाया या नवीनीकरण किया जा सकता है।

मनरेगा को लेकर आम आदमी पार्टी का केंद्र पर तीखा हमला

अमृतसर। आम आदमी पार्टी (AAP) ने मनरेगा में किए गए बदलाव को लेकर भाजपा की केंद्र सरकार पर जोरदार हमला बोला है। AAP विधायक और पार्टी की पंजाब यूनिट के मुख्य प्रवक्ता कुलदीप सिंह धालीवाल ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार मनरेगा में बदलाव कर गरीब मजदूरों की रोज़ी-रोटी छीनने की साजिश कर रही है।

कुलदीप सिंह धालीवाल ने कहा कि भाजपा सरकार को 'वीबी-जी राम-जी बिल' को तुरंत वापस लेना चाहिए और पुराने मनरेगा कानून को फिर से लागू करना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि इस नए कानून के जरिए केंद्र सरकार ने मनरेगा की 100 फीसदी फंडिंग से हाथ खींच लिए हैं और 40 फीसदी आर्थिक बोझ राज्यों पर डाल दिया है।

60-40 फंडिंग मॉडल पर उठाए सवाल

AAP नेता ने बताया कि पहले मनरेगा का पूरा बजट केंद्र सरकार देती थी, लेकिन अब इसे 60-40 के अनुपात में बांट दिया गया है। उन्होंने सवाल किया,'जब राज्यों की जीएसटी पहले ही केंद्र सरकार के पास जाती है, तो राज्य यह 40 फीसदी हिस्सा कहां से देंगे?" धालीवाल ने गंभीर चिंता जताते हुए कहा कि नई नीति के तहत बिजाई और कटाई के सीजन में मनरेगा का काम नहीं दिया जाएगा। उन्होंने पूछा,'जिन गरीब मजदूरों के पास एक कनाल जमीन भी नहीं है, जो दो मरले गेहूं भी नहीं बोते, वे इन दो महीनों में क्या खाएंगे?" उन्होंने कहा कि पहले 100 दिन काम की गारंटी थी और मजदूर अपनी जरूरत के अनुसार काम कर सकता था, लेकिन अब यह गारंटी भी खत्म की जा रही है।

'भाजपा अमीरों के लिए, गरीबों के खिलाफ काम कर रही'

AAP प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि भाजपा पिछले 11 वर्षों से देश के धनाढ्य लोगों के हित में नीतियां बना रही है और गरीबों का हक छीना जा रहा है। उन्होंने पंजाब में हाल की बाढ़ का जिक्र करते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने 1600 करोड़ रुपये की घोषणा तो की, लेकिन एक पैसा भी नहीं दिया। ग्रामीण विकास से जुड़े फंड भी लगातार रोके जा रहे हैं। कुलदीप सिंह धालीवाल ने चेतावनी दी कि अगर केंद्र सरकार ने मनरेगा में किए गए बदलाव वापस नहीं लिए, तो आम आदमी पार्टी इसके खिलाफ देशव्यापी आंदोलन करेगी।

स्थानीय संस्थाओं के अधिकारों पर चोट

धालीवाल ने कहा कि मनरेगा कोई खैरात नहीं है, बल्कि यह राज्यों की जीएसटी से ही आने वाला पैसा है, जिसे अब रोका जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि नई नीति से ग्राम पंचायतों, ब्लॉक समितियों और जिला परिषदों के अधिकारों पर भी बड़ा हमला हुआ है। AAP नेता ने कहा कि पहले गांवों में विकास के कई काम मनरेगा के तहत होते थे, लेकिन अब वह रास्ता भी बंद किया जा रहा है। उन्होंने मांग की कि 2005 में बना मूल मनरेगा कानून हू-ब-हू लागू किया जाए और नए बदलाव तुरंत वापस लिए जाएं।

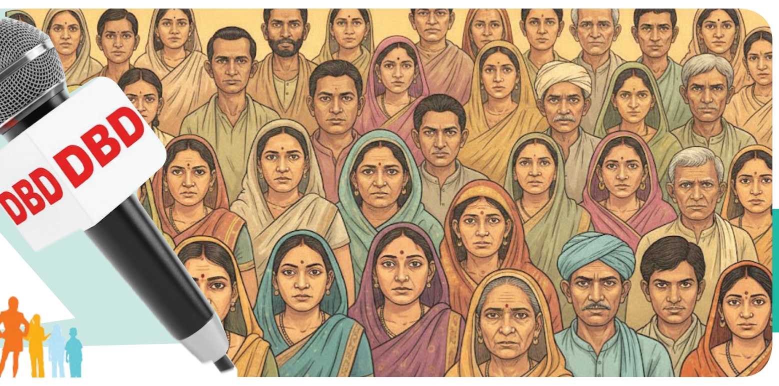

DBD 8
दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पॉन्सिबिलिटी है
मुंबई
सोमवार, 29 दिसंबर 2025

कोने-कोने से...

नमुंमपा चुनाव 2025-26 के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम 1 जनवरी से

नवी मुंबई। नवी मुंबई महानगरपालिका में 2025-26 की सार्वत्रिक चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी और सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए सभी अधिकारी और कर्मचारियों को आवश्यक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। महापालिका आयुक्त और चुनाव अधिकारी डॉ. कैलास शिंदे के मार्गदर्शन में 6 हजार से अधिक कर्मचारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार किया गया है। नवी मुंबई महानगरपालिका क्षेत्र में 28 वार्डों में 111 सीटों के लिए 15 जनवरी 2026 को चुनाव होंगे। इस क्षेत्र में कुल 1148 मतदान केंद्र निर्धारित किए गए हैं। चुनाव प्रक्रिया के लिए राज्य चुनाव आयोग की मंजूरी से 8 विभागों में 8 चुनाव निर्णय अधिकारी, प्रत्येक विभाग में 3 सहायक चुनाव निर्णय अधिकारी और 180 क्षेत्रीय अधिकारी कार्यरत हैं।

AAP ने जारी की तीसरी उम्मीदवार सूची

मुंबई। महाराष्ट्र में बृहन्मुंबई महानगरपालिका (BMC) समेत 29 महानगरपालिकाओं के लिए चुनाव की तारीखों का ऐलान हो चुका है। आम आदमी पार्टी (AAP) चुनावी मैदान में अकेले उतरी है और रविवार (28 दिसंबर) को पार्टी ने 15 उम्मीदवारों की तीसरी सूची जारी की। अब तक AAP कुल 51 उम्मीदवारों की सूची जारी कर चुकी है। पार्टी का कहना है कि सूची में समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों का प्रतिनिधित्व शामिल है। AAP नेता प्रीति शर्मा मेनन ने कहा कि पार्टी ने राजनीतिक मजबूरियों से ऊपर उठकर अपने जमीनी कार्यकर्ताओं और नागरिक नायकों को BMC चुनाव के लिए उम्मीदवार बनाया है। उन्होंने बताया कि यह कदम पार्टी की जनता से सीधी जुड़ाव और लोक समर्थन को दर्शाता है। मेनन ने आगे कहा कि मुंबई के लोग बीजेपी के कुशासन से परेशान हैं और कांग्रेस व शिवसेना द्वारा उसे समर्थन दिए जाने से भी निराश हैं। उन्होंने कहा कि मुंबई और मुंबईकर बेहतर शासन के हकदार हैं और AAP को जमीन पर व्यापक समर्थन मिल रहा है।

कांग्रेस ने वीबीए के साथ किया गठबंधन, दलित वोटों पर फोकस

मुंबई। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (BMC) चुनाव के लिए कांग्रेस और वंचित बहुजन आघाडी (वीबीए) ने रविवार को मिलकर चुनाव लड़ने का ऐलान किया। समझौते के तहत वीबीए 227 में से 62 सीटों पर चुनाव लड़ेगी, जबकि कांग्रेस 150 से अधिक सीटों पर प्रत्याशी उतारेगी। कुछ सीटें राष्ट्रीय समाज पक्ष और आरपीआई (गवई) को दी जाएंगी। कांग्रेस महाराष्ट्र अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने कहा कि यह गठबंधन केवल चुनावी गणित पर आधारित नहीं है, बल्कि समानता, बंधुत्व और सामाजिक न्याय जैसे साझा विचारों पर आधारित है। वीबीए के उपाध्यक्ष धैर्यवर्धन पुंडकर ने बताया कि गठबंधन का एक उद्देश्य बीजेपी की विभाजनकारी राजनीति को रोकना भी है। महाराष्ट्र की सभी 29 महानगरपालिकाओं में मतदान 15 जनवरी को होगा।

जेन जी

महानगर की असली धड़कन युवा हैं। अब वक्त आ गया है कि शहर के फैसले लेने वाली कुर्सियों पर भी युवाओं की आवाज़ गूंजे। नगर निगम चुनाव में हमें सिर्फ़ वादों से नहीं, बल्कि सक्रिय भागीदारी और निर्णायक भूमिका से मतलब है। –साहिल बेलोसे, विरार

साफ़ शहर, रोज़गार के नए अवसर और पारदर्शी प्रशासन—यही हमारी स्पष्ट मांग है। महानगरपालिका चुनाव बदलाव का अवसर है, जहाँ राजनीति को नई सोच और नए खून से ताक़त मिल सकती है।

– ज्योति रावत, मीरा रोड

हमें भेजें

अगर आप भी अपने विचार हमें भेजना चाहते हैं तो 8356804318 इस नंबर पर व्हाट्सप्प करें।

विश्लेषण

महाराष्ट्र निकाय चुनाव

गठबंधन की मजबूरी और सत्ता की गणित

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में बृहन्मुंबई नगर निगम (BMC) सहित कई महानगरपालिकाओं के चुनाव इस बार केवल स्थानीय निकायों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इन्हें 2024 के लोकसभा और आगामी विधानसभा चुनावों का सेमीफाइनल माना जा रहा है। यही वजह है कि सभी राजनीतिक दल और गठबंधन इन चुनावों को अपनी ताकत परखने के अहम अवसर के रूप में देख रहे हैं। शहरी क्षेत्रों में होने वाला यह मुकाबला न सिर्फ़ संगठनात्मक मजबूती को उजागर करेगा, बल्कि यह भी बताएगा कि जनता किस नेतृत्व और किस राजनीतिक दिशा पर भरोसा जता रही है। हालांकि, सत्ता की इस दौड़ में आक्रामक रणनीतियों के साथ-साथ राजनीतिक उलझनें भी साफ नजर आ रही हैं। सीट बंटवारे, गठबंधन धर्म और कार्यकर्ताओं की नाराजगी जैसे मुद्दों ने कई शहरों में समीकरण जटिल बना दिए हैं। नतीजतन, यह चुनाव जीत-हार से आगे बढ़कर यह तय करने की ओर बढ़ रहा है कि कौन-सा गठबंधन वास्तव में एकजुट है और कौन-सा केवल मजबूरी में साथ खड़ा है।

अमरावती : वैचारिक दूरी के बावजूद रणनीतिक नजदीकी

अमरावती में कांग्रेस और उद्धव ठाकरे गुट (UBT) के बीच संभावित गठबंधन यह दर्शाता है कि वैचारिक मतभेद अब रणनीतिक समझौतों के सामने गौण हो चुके हैं। दोनों दल जानते हैं कि अलग-अलग चुनाव लड़ने से वोटों का बंटवारा होगा, जिसका सीधा फायदा भाजपा या महायुति को मिल सकता है। यह गठबंधन महाविकास आघाड़ी की जमीनी मजबूती का संकेत भी माना जा सकता है।

नासिक : महायुति के भीतर सत्ता संघर्ष

नासिक में सीट बंटवारे को लेकर महायुति के घटक दलों के बीच चल रही रस्साकशी यह दिखाती है कि गठबंधन एकजुटता से ज्यादा मजबूरी का परिणाम हैं। भाजपा की 85 सीटों की मांग सहयोगी दलों में असंतोष पैदा कर रही है। शिंदे गुट और अजित पवार गुट की अपेक्षाएं पूरी नहीं हुईं तो इसका असर प्रचार और संगठनात्मक एकजुटता पर पड़ सकता है।

छत्रपती संभाजीनगर और केडीएमसी : संगठन बनाम गठबंधन

छत्रपती संभाजीनगर और केडीएमसी में भाजपा कार्यकर्ताओं की नाराजगी यह बताती है कि बार-बार गठबंधन करने से जमीनी कार्यकर्ता खुद को हाशिये पर महसूस कर रहे हैं। 50-50 सीट बंटवारे की मांग केवल संख्या की नहीं, बल्कि सम्मान और हिस्सेदारी की मांग है। यदि यह असंतोष दूर नहीं हुआ, तो इसका असर चुनावी नतीजों पर पड़ सकता है।

मालेगांव और धुले : असमंजस का सीधा असर

मालेगांव और धुले में नामांकन प्रक्रिया की धीमी रफ्तार इस बात का संकेत है कि गठबंधन को लेकर स्पष्टता नहीं होने से कार्यकर्ता और उम्मीदवार स्तर पर भ्रम की स्थिति बनी हुई है। कानूनी और तकनीकी जटिलताओं के साथ-साथ राजनीतिक अनिश्चितता ने चुनावी प्रक्रिया को सुस्त कर दिया है, जो अंतिम समय में बगावत या निर्दलीय उम्मीदवारों की संख्या बढ़ा सकती है।

सोलापुर : सीमित तालमेल, नियंत्रित जोखिम

सोलापुर में शिंदे गुट और अजित पवार गुट का साथ आना महायुति के भीतर सीमित लेकिन व्यावहारिक समन्वय का उदाहरण है। 51-51 सीटों का फॉर्मूला संतुलन बनाने की कोशिश जरूर है, लेकिन शरद पवार गुट द्वारा अलग से उम्मीदवार उतारना यह संकेत देता है कि विपक्ष भी यहां मुकाबला आसान नहीं होने देना चाहता।

शरद पवार गुट : अलग पहचान की कोशिश

सोलापुर में शरद पवार गुट द्वारा उम्मीदवारों की सूची जारी करना यह दर्शाता है कि पार्टी महाविकास आघाड़ी के भीतर रहते हुए भी अपनी स्वतंत्र राजनीतिक पहचान बनाए रखना चाहती है। यह रणनीति भविष्य में विधानसभा चुनावों की तैयारी के तौर पर भी देखी जा रही है।

निष्कर्ष : महाराष्ट्र के निकाय चुनाव इस बार केवल स्थानीय विकास या नगर प्रशासन का सवाल नहीं हैं, बल्कि ये राजनीतिक अस्तित्व, नेतृत्व की स्वीकार्यता और गठबंधनों की मजबूती की परीक्षा बन चुके हैं। सीट बंटवारे की खींचतान, कार्यकर्ताओं की नाराजगी और वैचारिक समझौतों के बीच यह देखना दिलचस्प होगा कि कौन-सा गठबंधन मैदान में एकजुट नजर आता है और कौन-सा अंदरूनी टकराव का शिकार होता है। चुनावी नतीजे आने वाले समय की राजनीति की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएंगे।

ठाणे में सत्यापन प्रक्रिया में 16,574 दोहराव वाले मतदाता सामने आए

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

ठाणे महानगर पालिका ने 15 जनवरी को होने वाले चुनाव से पहले संभावित दोहराव वाले मतदाताओं की पहचान और जांच के लिए व्यापक सत्यापन प्रक्रिया पूरी कर ली है। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि मतदाता सूची के सत्यापन के दौरान 83,645 संभावित दोहराव वाले मतदाताओं की विस्तृत जांच की गई।

67,071 मतदाताओं के नाम हटाए गए

उपायुक्त (निर्वाचन) उमेश बिरारी ने कहा कि जांच में 67,071 मतदाताओं के नाम और फोटो मेल नहीं खाए, जिससे पुष्टि हुई कि वे दोहराव वाले मतदाता नहीं हैं। इन नामों को मतदाता सूची से हटा दिया गया है। यह कदम सुनिश्चित करेगा कि मतदान के दिन वास्तविक मतदाता बिना किसी असुविधा के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें।

16,574 मतदाता दोहराव वाले पाए गए

सत्यापन प्रक्रिया में 16,574 मतदाताओं के नाम और फोटो समान पाए गए, जिन्हें वास्तविक दोहराव वाले मतदाता माना गया। इनके नाम मतदाता सूची में स्पष्ट रूप से दोहराव वाले मतदाता के रूप में अंकित किए जाएंगे।

दोहराव वाले मतदाताओं के लिए नियम

इन मतदाताओं को मतदान करने के लिए निर्धारित प्रारूप में लिखित वचन पत्र प्रस्तुत करना होगा, जिसमें यह घोषित करना होगा कि वे केवल एक बार और सही स्थान पर मतदान कर रहे हैं। मतदान अधिकारी पूरी प्रक्रिया पर कड़ी निगरानी रखेंगे। महानगर पालिका ने कहा कि यह सत्यापन अभियान दोहरे या फर्जी मतदान को रोकने और वास्तविक मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा के लिए चलाया गया। विज्ञप्ति के अनुसार, लोकतंत्र की बेहतरी के लिए सटीक और त्रुटिरहित मतदाता सूची अत्यंत आवश्यक है।

टिकट कटने वालों को मनाने की रणनीति, बीजेपी का डैमेज कंट्रोल

मुंबई। पंचायत और बृहन्मुंबई महानगरपालिका (BMC) चुनाव से पहले बीजेपी ने पार्टी के भीतर उभर रहे असंतोष को थामने के लिए डैमेज कंट्रोल का दांव चला है। टिकट कटने की आशंका से नाराज़ नेताओं को लेकर मंत्री गिरीश महाजन ने बड़ा बयान देते हुए कहा है कि जिन नेताओं को इस बार टिकट नहीं मिलेगा, उनका "प्रमोशन" किया जाएगा। उनका इशारा भविष्य में विधायक, विधान परिषद सदस्य या अन्य अहम पदों की ओर था। जलगांव में मीडिया से बातचीत करते हुए गिरीश महाजन ने कहा कि निष्ठावान कार्यकर्ताओं को निराश होने की जरूरत नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी ऐसे नेताओं को शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र, विधान परिषद या संगठनात्मक जिम्मेदारियों में आगे बढ़ने का अवसर देगी। महाजन ने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे टिकट के बजाय संगठन और विचारधारा को प्राथमिकता दें।

बूथ लेवल पर एक्टिव हुई भाजपा

रामटेक के 119 बूथों पर फहराएगी जीत का परचम

डीबीडी संवाददाता । रामटेक

आगामी जिप और स्नातक विधान परिषद चुनावों की तैयारी के लिए भारतीय जनता पार्टी ने रामटेक में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया। यह बैठक रामटेक विधानसभा विस्तारक मनोज चवरे की अध्यक्षता में होटल नीलकमल में हुई, जिसमें पार्टी की चुनावी रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में तय किया गया कि 2026 में होने वाले जिप, पंस और स्नातक विधान परिषद चुनावों के लिए भाजपा ने सक्रिय रणनीति तैयार की है। विशेष ध्यान स्नातक सीट पर दिया गया, जहां स्नातकधारक मतदाताओं को पार्टी की नीतियों से अवगत कराना और मतदाता सूची में उनका नाम सुनिश्चित करना प्राथमिकता होगी। रामटेक विधानसभा क्षेत्र में 10 जिप और 8 पंस चुनाव क्षेत्र शामिल हैं।

प्रमुख सर्कल पारशिवनी, कन्हान, देवलापार, रामटेक और मौदा में कुल 77,403 मतदाता मतदान करेंगे। जिप चुनाव के लिए 119 बूथों पर मतदान प्रक्रिया आयोजित की जाएगी। बैठक में महिला मतदाताओं को जागरूक करने के उपायों पर विशेष ध्यान दिया गया।

चुनाव दावेदारों पर चर्चा

बैठक में जिप और स्नातक विधान परिषद चुनावों के लिए 21 दावेदारों के नामों पर विचार किया गया। इसमें भाजपा के पूर्व जिप सदस्य व्यंकटेश कारेमोरे, जिला उपाध्यक्ष उदय सिंह यादव, कन्हान मंडल अध्यक्ष बीरेंद्र सिंह और अन्य प्रमुख पदाधिकारी शामिल थे।

मतदाता सूची और रणनीति समीक्षा

बैठक में मतदाता सूची की समीक्षा की गई और रणनीति बनाई गई कि बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं को सक्रिय किया जाए। विशेष ध्यान महिला मतदाताओं को सशक्त बनाने पर दिया गया, ताकि सभी मतदाता भाजपा के चुनाव चिन्ह पर मतदान करें और पार्टी की उपलब्धियों से अवगत हो सकें।

खबर चुनावी है — मीरा-भाईंदर में युति पर संकट

शिवसेना ने BJP को दिया 24 घंटे का अल्टीमेटम

विनय दूबे । मीरा-भाईंदर

मीरा-भाईंदर महानगरपालिका चुनाव में भाजपा और शिवसेना के बीच युति के आसार अब लगभग खत्म होते नजर आ रहे हैं। 15 जनवरी 2026 को प्रस्तावित मनपा चुनाव को लेकर महायुति में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। इसी बीच टिकट की उम्मीद में कुछ भाजपा कार्यकर्ताओं की शिवसेना में लगातार इनकमिंग भी देखी जा रही है।

प्रताप सरनाईक ने बीजेपी विधायक को दी चेतावनी

परिवहन मंत्री और शिवसेना नेता प्रताप सरनाईक ने रविवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भाजपा विधायक नरेंद्र मेहता को 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया। उन्होंने साफ कर दिया कि यदि तय समय में युति को लेकर स्पष्टता नहीं आई, तो शिवसेना मीरा-भाईंदर में स्वबल पर भाजपा के खिलाफ चुनावी मैदान में उतरेगी।

ठाणे में युति तय, मीरा-भाईंदर में नहीं

प्रताप सरनाईक ने जानकारी दी कि ठाणे जिले में भाजपा-शिवसेना की युति लगभग तय है और मीरा-भाईंदर में युति नहीं होने से अन्य जगहों पर महायुति पर कोई असर नहीं पड़ेगा। हालांकि मीरा-भाईंदर को लेकर दोनों दलों के बीच मतभेद खुलकर सामने आ चुके हैं। सूत्रों के अनुसार, शिवसेना में शामिल हुए कुछ नेताओं पर आरोप है कि उन्होंने कभी युति धर्म का पालन नहीं किया और लगातार विधायक नरेंद्र मेहता के खिलाफ बयानबाजी कर चर्चा में बने रहे। इन बयानों पर अंकुश न लगने से दोनों दलों के बीच दरार और गहरी होती चली गई।

सीधे मुकाबले से चुनाव होगा दिलचस्प

अगर महायुति नहीं होती है तो मीरा-भाईंदर में भाजपा और शिवसेना के बीच सीधा मुकाबला देखने को मिलेगा, जिससे चुनाव बेहद रोचक हो सकता है। भाजपा पहले ही "अबकी बार 70 के पार" का संकल्प लेकर मैदान में उतरने की तैयारी कर चुकी है।

साख की लड़ाई में बदल रहा मनपा चुनाव

इस बार मीरा-भाईंदर मनपा चुनाव में परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक और विधायक नरेंद्र मेहता — दोनों की साख दांव पर लगी है। कोई भी हार स्वीकार करने को तैयार नहीं है। चुनाव नतीजों के बाद मीरा-भाईंदर की राजनीति में एक नया अध्याय जुड़ेगा और यह तय हो जाएगा कि शहर का असली 'धुरंधर' कौन है।